

यूपी के सभी स्कूलों में ‘वंदे मातरम्’ का गायन किया जाएगा अनिवार्य; गोरखपुर में सीएम योगी ने किया बड़ा एलान

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि उत्तर प्रदेश के प्रत्येक स्कूल और शिक्षण संस्थान में वंदे मातरम गाना अनिवार्य किया जाएगा।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में एकता पदयात्रा के दौरान बड़ा एलान किया है। सीएम योगी ने कहा कि अब यूपी के सभी स्कूलों में ‘वंदे मातरम्’ का नियमित और जरूरी गायन किया जाएगा। गोरखपुर में %एकता यात्रा% कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह कदम नागरिकों में भारत माता और मातृभूमि के प्रति श्रद्धा और गौरव की भावना को प्रेरित

संक्षिप्त समाचार

हमीरपुर पहुंचे दिनेश शर्मा, बोले-हर चुनाव में जनता को गुमराह करने का काम करते हैं राहुल गांधी

हमीरपुर में डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में 90 चुनाव हार चुकी कांग्रेस अब शतक बनाने के करीब है।उत्तर प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा सोमवार को हमीरपुर पहुंचे। उन्होंने यहां पूर्व सांसद व विधायक रहे स्व. राजनारायण बुधौलिया की स्मृति में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में शिरकत की। पत्रकारों से बातचीत में डॉ. दिनेश शर्मा ने राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी हर चुनाव में जनता को गुमराह करते हैं। उनके नेतृत्व में कांग्रेस अब तक 90 चुनाव हार चुकी है और जल्द ही हार का शतक पूरा करेगी।उन्होंने आगे कहा कि बिहार की जनता 14 नवंबर को कांग्रेस और आरजेडी के कार्यालयों पर ताला लगाएगी। यह ताला कार्यालय का नहीं बल्कि उनके झूठ का ताला होगा। एसआईआर (विशेष गहन मतदाता सूची समीक्षा) के मुद्दे पर बोलते हुए डॉ. शर्मा ने कहा कि राहुल गांधी जिस नीति का विरोध कर रहे हैं, उसकी शुरुआत उनकी दादी के शासनकाल में ही हुई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी विदेशी आकाओं ‘सोरेश चाचा’ और ‘सैम अंकल’ के निर्देश पर सरकार और देश के खिलाफ नैरेटिव तैयार कर रहे हैं। इन लोगों ने सैनिकों के खिलाफ ऐसी बातें कही थीं जिन्हें पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र (यूएनओ) में सबूत के तौर पर पेश किया।

पैदा होने से पहले ही जिन्ना को दफन कर देना... गोरखपुर में एकता यात्रा में गरजे सीएम योगी



करेगा।उन्होंने कहा, राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के प्रति सम्मान की भावना होनी चाहिए। हम उत्तर प्रदेश के प्रत्येक स्कूल और शिक्षण संस्थान में इसका गायन अनिवार्य करेंगे।सीएम आदित्यनाथ ने कहा कि जाति, क्षेत्र, भाषा के नाम पर बांटने वाले तत्वों की पहचान करना हमारा कर्तव्य है। ये नए जिन्ना बनाने की साजिश का हिस्सा हैं। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि भारत में फिर कभी कोई नया जिन्ना न उभरे; विभाजनकारी इरादे को जड़ जमाने से पहले ही दफना देना होगा। गोरखपुर में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एकता यात्रा और वंदे मातरम सामूहिक गायन कार्यक्रम में

शामिल हुए। उन्होंने कहा कि 30 अक्तूबर को देशभर के हर जिले में रन फॉर यूनिटी के रूप में राष्ट्रीय एकता दौड़ का आयोजन किया गया। इस दौरान, भाजपा ने भी महान वल्लभभाई पटेल के जीवन और कार्यों पर केंद्रित कार्यक्रमों का आयोजन शुरू किया। सरकारी स्तर पर भी कई कार्यक्रम शुरू किए गए। चाहे स्वदेशी की बात हो या आत्मनिर्भरता के कार्यक्रम, राष्ट्रीय एकता के मुद्दों को संबोधित करने वाली पहल को आगे बढ़ाया गया है, साथ ही देश भर में व्यापक जनजागरण अभियान भी चलाए गए हैं... सीएम योगी ने लोगों से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि भारत में कोई नया

जिन्ना फिर कभी न उभरे, और अगर कोई देश की अखंडता को चुनौती देने की हिम्मत करता है, तो हमें ऐसी विभाजनकारी मंशा को जड़ जमाने से पहले ही दफना देना चाहिए। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को गोरखपुर में अखिल भारतीय मुस्लिम लीग के नेताओं मोहम्मद अली जिन्ना और मोहम्मद अली जौहर को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि जो लोग राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम का विरोध करते हैं, वे भारत की एकता और अखंडता का अपमान कर रहे हैं।गोरखपुर में एकता यात्रा और सामूहिक वंदे मातरम गायन में शामिल हुए सीएम योगी आदित्यनाथ

ने कहा, आज भी, हम उम्मीद करते हैं कि भारत में रहने वाला हर व्यक्ति राष्ट्र के प्रति वफादार रहेगा और इसकी एकता के लिए काम करेगा।उन्होंने कहा, अब हमारा कर्तव्य है कि हम उन सभी तत्वों की पहचान करें और उनका विरोध करें जो समाज को विभाजित करते हैं, चाहे वह जाति, क्षेत्र या भाषा के नाम पर हो। ये विभाजन नए जिन्ना पैदा करने की साजिश का हिस्सा हैं। भारत में कोई नया जिन्ना फिर कभी न उभरे... सीएम योगी ने लोगों से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि भारत में कोई नया जिन्ना फिर कभी न उभरे, और अगर कोई देश की अखंडता को चुनौती देने की हिम्मत करता है, तो हमें ऐसी विभाजनकारी मंशा को जड़ जमाने से पहले ही दफना देना चाहिए। भारत के प्रत्येक नागरिक को इस उद्देश्य के लिए एकजुट होना चाहिए। मोहम्मद अली जिन्ना 1913 से 14 अगस्त 1947, पाकिस्तान के गठन तक अखिल भारतीय मुस्लिम लीग के नेता रहे। इसके बाद, एक साल बाद 1948 में अपनी मृत्यु तक वे पाकिस्तान के पहले गवर्नर-जनरल बने। मोहम्मद अली जौहर अखिल भारतीय मुस्लिम लीग के सह-संस्थापक थे।

हमेशा एक ही समुदाय के व्यक्ति पकड़े जाते हैं, फरीदाबाद में विस्फोटक की बरामदगी पर बोले गिरिराज सिंह

हरियाणा के फरीदाबाद से भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद होने और एक डॉक्टर की गिरफ्तारी के बाद केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने एक समुदाय को लेकर विवादित बयान दिया। उन्होंने कहा कि जब भी आतंकवादी पकड़े जाते हैं, वे हमेशा एक ही समुदाय से होते हैं। इसके भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने भी मामले पर प्रतिक्रिया दी है।हरियाणा के फरीदाबाद में एक डॉक्टर के पास से विस्फोटक सामग्री मिलने के बाद हड़कंप मचा हुआ है। इसी पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने एक बयान देकर नया राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। दरअसल, पुलिस ने डॉक्टर के ठिकाने से बड़ी मात्रा में विस्फोटक बरामद किया। जिसके बाद उस डॉक्टर को गिरफ्तार किया गया। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए गिरिराज सिंह ने मुस्लिम समुदाय को निशाने पर लेते हुए कहा कि जब भी ऐसे लोग पकड़े जाते हैं, वे हमेशा एक ही समुदाय से होते हैं।गिरिराज सिंह ने कहा



कि यह बरामदगी 1993 के मुंबई धमाकों से भी अधिक खतरनाक हो सकती थी। उन्होंने कहा मोदी सरकार और राज्य सरकार ने समय रहते इस साजिश को पकड़ लिया। बाबा बागेश्वर की यात्रा में हजारों लोग शामिल थे, अगर हमला होता तो क्या होता? लेकिन जब भी ऐसे आरोपी पकड़े जाते हैं, वे हमेशा एक ही समुदाय से होते हैं। विपक्ष पर भी बोला जोरदार हमला गिरिराज सिंह ने विपक्षी दलों पर भी हमला बोलते हुए कहा कि राहुल गांधी, लालू प्रसाद यादव, अखिलेश यादव और असदुद्दीन औवैसी जैसे नेता

ऐसे मामलों पर चुप रहते हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग कहते हैं आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, मैं पूछना चाहता हूं कि जब भी आतंकी पकड़े जाते हैं, वे हमेशा मुस्लिम समुदाय से क्यों होते हैं? यह सोचने वाली बात है, क्योंकि आतंक हर बार धर्म से जुड़ा पाया गया है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला का बयान- भाजपाया राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने भी इस मामले पर सरकार की कार्रवाई का बचाव कि। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह चौकस हैं। मोदी सरकार की नीति 'आतंक के प्रति जोरो टॉलरेंस' की है। कांग्रेस पार्टी हमेशा इस्लामिक जिहादी आतंकवाद के प्रति नरम रुख अपनाती रही है। कर्नाटक में उनकी सरकार जेल में बंद एक जिहादी आतंकवादी को वीवीआईपी ट्रीटमेंट दे रही है, जो बेहद निंदनीय है। कर्नाटक सरकार पर भाजपा का प्रहार- पूनावाला ने आगे कहा कि कर्नाटक के गृह मंत्री जी.

परमेश्वर ने इस गंभीर मामले को 'छोटी घटनाएं' बताकर टाल दिया, जबकि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार दिल्ली की राजनीति में व्यस्त हैं। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा, अब कांग्रेस का मतलब %आई नीड करप्शन% बन गया है। भाजपा ने सवाल उठाया कि क्या कर्नाटक के मुख्यमंत्री और गृह मंत्री इस लापरवाही की जिम्मेदारी लेकर इस्तीफा देंगे? गिरिराज सिंह के पुराने विवादित बयान- गिरिराज सिंह पहले भी अपने बयानों को लेकर सुविधियों में रहे हैं। हाल ही में बिहार विधानसभा चुनाव से पहले उन्होंने एक सभा में कहा था कि उनकी पार्टी नमक हरामों से वोट नहीं मांगती। उन्होंने एक मुस्लिम व्यक्ति के साथ बातचीत का जिक्र करते हुए कहा था कि सरकार ने भेदभाव के बिना योजनाएं दीं, लेकिन उन्होंने मोदी के नाम पर वोट नहीं दिया। हालांकि इस बयान पर भी विपक्ष ने उनकी आलोचना की थी।

जम्मू कश्मीर में आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़: दो डॉक्टर समेत सात गिरफ्तार, 2,900 किलो विस्फोटक और हथियार बरामद



जम्मू-कश्मीर पुलिस ने जैश-ए-मोहम्मद और अंसार गजवत-उल-हिंद से जुड़े अंतरराज्यीय आतंकी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया, जिसमें दो डॉक्टर समेत सात आरोपी गिरफ्तार हुए। पुलिस ने उनके कब्जे से 2,900 किग्रा विस्फोटक, हथियार और आईईडी बनाने की सामग्री बरामद की और जांच जारी है।जम्मू-कश्मीर पुलिस ने एक बड़े अंतरराज्यीय और अंतरराष्ट्रीय आतंकी नेटवर्क का पर्दाफाश किया है, जो प्रतिबंधित आतंकी संगठनों जैश-ए-मोहम्मद और अंसार गजवत-उल-हिंद से जुड़ा हुआ

था। इस सफलता से कई प्रमुख आतंकी आरोपी गिरफ्तार किए गए और उनके कब्जे से भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री बरामद की गई।पुलिस के अनुसार, 19 अक्तूबर 2025 को श्रीनगर के बुनपोरा, नौगाम में कई जैश-ए-मोहम्मद के पोस्टर लगाए गए थे, जिनमें पुलिस और सुरक्षाबलों को धमकाया गया था। इसके बाद एफआईआर संख्या 162/2025 दर्ज की गई और जांच शुरू हुई। जांच में यह सामने आया कि यह नेटवर्क शिक्षित और पेशेवर युवाओं से जुड़ा था और विदेशी संपर्कों के माध्यम से संचालित

हो रहा था। जांच में पता चला कि यह समूह एन्क्रिप्टेड चैनलों के जरिए भर्ती, समन्वय, धन-संग्रह और लॉजिस्टिक्स का काम करता था। धनराशि पेशेवर और शैक्षणिक नेटवर्क के माध्यम से, सामाजिक या धर्मार्थ कारणों का बहाना बनाकर जुटाई जा रही थी। आरोपी आतंकवाद के लिए लोगों की पहचान, उन्हें कट्टर बनाने और हथियार/आईईडी बनाने के लिए सामग्री जुटाने में जुड़ा हुआ पाए गया है। गिरफ्तार किए गए मुख्य आरोपी- आरिफ निसार दर साहिल, नौगाम, श्रीनगर यासिर-उल-आशरफ, नौगाम, श्रीनगर मकसूद अहमद दर शाहिद, नौगाम, श्रीनगर मौलवी इरफान अहमद, शोपियां जमीर अहमद आहंगर मुल्लाशा, वाकुरा, गांदरबल डॉ. मुजम्मिल अहमद गनाई मुसायब, कोइल, पंपोर डॉ. आदिल, वानपोरा, कुलगाम जांच के दौरान श्रीनगर, अनंतनाग, गांदरबल, शोपियां, फरीदाबाद और सहारनपुर में संयुक्त तलाशी अभियान चलाया गया।

तेजस्वी यादव का चुनाव आयोग पर बड़ा आरोप:गृह मंत्री अमित शाह को भी घेरा

तेजस्वी यादव ने कहा कि, हमलोग विकास की बात कर रहे हैं। पीएम कट्टे की। पता नहीं वो कौन सा वेब सीरीज देख रहे हैं। पीएम ने आपराधिक छवि के लोगों के साथ मंच साझा किया।पटना के पोलो रोड में दूसरे चरण के मतदान से पहले नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उनके साथ सांसद मीसा भारती भी मौजूद रहें। तेजस्वी यादव ने चुनाव आयोग से पूछा कि चुनाव में भाजपा शासित प्रदेशों से ही सुरक्षा बल क्यों बुलाई गई। 208 कंपनियां भाजपा शासित राज्य की लगाई गई हैं। 68ब पुलिस ऑबजर्वर बीजेपी शासित राज्यों से हैं। तेजस्वी ने सवाल पूछा कि पुलिस क्यों नहीं मंगवाई गई।तेजस्वी यादव ने कहा कि, हमलोग विकास की बात कर रहे हैं। पीएम कट्टे की। पता नहीं वो कौन सा वेब सीरीज देख रहे हैं। पीएम ने आपराधिक छवि के लोगों के साथ मंच साझा किया। सृजन घोटाले के मुख्य आरोपी विपिन शर्मा से एयरपोर्ट पर मिले और पीठ थपथपाई। प्रधानमंत्री ने अनंत सिंह, हुलास पांडेय जैसे बाहुबलियों के लिए भी प्रचार



किया।जनता बदलाव के मूड में है तेजस्वी यादव ने कहा कि उन्होंने सबसे अधिक 171 सभाएं की हैं। कोई ऐसा जिला, ब्लॉक नहीं बचा जहां हम नहीं गए। लोगों का मूड बदलाव का है। 20 साल पुरानी सरकार को बदलना है। 20 साल राज करने के बाद भी एनडीए सरकार ने बिहार को सबसे पीछे किया। तेजस्वी यादव ने कहा कि, बिहार के लोग इस बार इतिहास रचने जा रहे हैं। बिहार में 2 उप मुख्यमंत्री हैं, उनसे हमने सदन में पूछा कि, बिहार किस चीज में आगे है। वो बता दो। दोनों में से कोई नहीं बता पाया। 14 तारीख को हमारी सरकार बनेगी। आने वाले दिनों में बिहार आगे बढ़ेगा। तेजस्वी यादव के वादों की झड़ी- बिहार विधानसभा चुनाव के प्रचार अभियान में राजद नेता तेजस्वी यादव ने कई बड़े वादे किए हैं। उन्होंने कहा कि अगर महागठबंधन की सरकार बनती है, तो 14 जनवरी

को महिलाओं के खाते में 30 हजार रुपये भेजे जाएंगे। साथ ही जीविका दीदीयों का ब्याज माफ किया जाएगा और उन्हें 30 हजार रुपये की सहायता राशि दी जाएगी। तेजस्वी ने ओल्ड पेंशन स्कीम लागू करने, किसानों के लिए फ्री बिजली, और 'बेटी योजना' व 'मां योजना' शुरू करने का भी एलान किया। उन्होंने कहा कि राज्य में हर घर को सरकारी नौकरी देने की दिशा में काम किया जाएगा। कानून-व्यवस्था पर सख्त रुख अपनाते हुए तेजस्वी ने कहा कि लॉ एंड ऑर्डर के मामले में किसी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उनका दावा है कि 14 नवंबर को परिणाम आने के बाद 18 नवंबर को शपथ लेकर 26 नवंबर से 26 जनवरी के बीच सभी अपराधियों को जेल भेजा जाएगा। साथ ही उन्होंने केंद्र पर हमला करते हुए कहा कि सिलेंडर फ्री करने की गारंटी कहां गई? अब बिहार की जनता झूठे वादों में नहीं फंसने वाली है। समस्तीपुर में पंचियां मिलने का भी जिक्र- हम चुनाव आयोग से कुछ सवाल पूछना चाहते हैं। समस्तीपुर में पंचियां फेंकी मिली थीं।

संपादकीय Editorial

‘Changing the Government’ is Not a Crime

What kind of justice and democracy is this? Riots took place in Delhi in 2020. Five of the accused, including Umar Khalid, Sharjeel Imam, and three others, are imprisoned under the draconian UAPA law. Five years in jail is an extremely long and agonizing time. UAPA is a very stringent and complex law designed to take strict action against terrorism. It was created after the repeal of TADA and POTA. In these five long years, the Delhi Police have failed to prove that these young men are either terrorists or rioters. Charges haven't even been framed in court. The Delhi Police have also opposed the bail applications of these young men in the Supreme Court, arguing that they conspired to change the country's government. The court should have also clarified to the country which organization or terrorists these young men conspired with. The crucial question is whether changing the government is a ‘crime’ or an ‘illegal’ act in a democracy? Five years is a very long time. The provisions of UAPA are extremely harsh, and obtaining bail under it is almost impossible. If these young men are to be kept continuously in jail without being declared guilty, then talking about or claiming fundamental rights, the constitution, and democracy is pointless. If, after five years in jail, they are proven innocent, who will compensate them for this punishment? There is no concrete law in the country that can hold the guilty individual or the government accountable in such a situation. The Supreme Court itself has commented on several occasions that keeping an accused person imprisoned for a long time, merely on the basis of allegations, is also ‘illegal’. Then why are these educated young men being denied bail? The fact that they are Muslim does not automatically make them terrorists or rioters; that is not a valid criterion. They remain imprisoned solely because of the provisions of the UAPA...! It is a tragedy and an irony. Such a law cannot be bigger and more important than the citizens of the country. It should be amended. However, changing the government or creating a parallel public opinion is not a constitutional crime in a democracy. Parliament, along with the government, is the most important institution. According to the Association for Democratic Reforms, approximately 46 percent, or 251, of the Members of Parliament have criminal cases registered against them, yet they are present in Parliament instead of jail, making laws for the country. Of these, 170 MPs have serious charges against them, including rape, murder, attempted murder, kidnapping, extortion, and crimes against women. Court dates are being set, but they haven't been sentenced to jail year after year! What kind of democracy is this? Is there a double standard in the country's judicial system? In these five years, it should have been made clear what the crimes of these young people are. Their education is being ruined, their careers are being destroyed; these young people should have been made the strength of the nation. Is there any state or city in the country where horrific riots haven't occurred, where stones, sticks, swords haven't been used, where arson hasn't taken place, where the poison of communalism hasn't spread? India is mentally a country of riots. Our only concern is that changing the government is not a crime, and certainly not under the UAPA...! In Parliament, opposition MPs ask questions, adjournment motions are moved, notices expressing no-confidence in the government are given; in a democracy, all politics and opposition are carried out with the aim of changing the government. Are all of them 'criminals'? If the accused young people had created a situation akin to war against the country.

Government Prepares to Crack Down on Uninsured Vehicles: Will Fear of Action Lead to Compliance?

The government is establishing an Insurance Information Bureau to curb the use of uninsured vehicles. Warnings and fines will be imposed for driving without insurance. According to the Supreme Court, more than half of the vehicles in the country are uninsured, causing problems in the event of an accident. Strict enforcement of rules is necessary; mere announcements will not suffice. Government's plan to impose fines after warnings on uninsured vehicles: More than 50 % of vehicles are uninsured. It is good that the government is preparing to curb the tendency of driving uninsured vehicles. For this, an Insurance Information Bureau is being created, which will have data on all vehicles. Through this bureau, owners of vehicles found to be uninsured will be sent warning messages, and those who ignore them will be fined. This should certainly be done, but it should be noted that the situation will only improve when strict action is actually taken against those who drive uninsured vehicles. Since this is not currently being done, a large number of people continue to drive without insurance even after it expires. This situation shows that the tendency to disregard necessary rules and regulations persists in our country. This tendency reflects a "anything goes" attitude. This laxity is a result of both the vehicle owners' negligence and the government's leniency. The extent of this laxity is evident from a statistic presented in the Supreme Court, according to which more than 50 percent of vehicles in the country are driven without insurance. Whenever uninsured vehicles are involved in accidents, both the vehicle owner and the accident victim face additional difficulties. The number of road accidents and the number of people killed and injured in them continues to rise in our country. Those who drive uninsured vehicles not only endanger themselves and others in the event of an accident, but also become a cause of litigation. Such people remain indifferent to the fact that they may have to pay a fine if their vehicle is found to be uninsured. At the root of this negligence is the low amount of fines and the confidence that one can get away with it by bribing officials or using influence if caught. Rules and regulations are disregarded only when the system for enforcing them is ineffective or dysfunctional. This happens in every sector in our country. This is why public safety remains at risk, and the increasing number of road accidents cannot be controlled. It is not only necessary to prevent vehicles from operating without insurance, but also to reduce road accidents caused by unskilled drivers, dilapidated vehicles, poor roads, and disregard for traffic rules. For this, it is not enough to simply make the rules and regulations stricter; their proper implementation must also be ensured. Often, announcements are made to this effect, and sometimes even the rules and regulations are amended, but in the absence of proper enforcement, the result remains the same – nothing changes.

Supreme Court orders removal of stray dogs from public places: Will local bodies finally wake up?

The Supreme Court's order to remove stray dogs and other stray animals from public places is welcome. However, the lack of resources and willpower among local bodies poses a major challenge. The court had summoned chief secretaries earlier due to non-compliance with previous orders. The order also includes instructions for vaccination and the creation of shelters, but many cities lack these facilities. There is a fear that compliance with the order may be merely superficial. State governments must show seriousness and empower local bodies. Supreme Court's order to remove stray dogs raises questions about the responsibility of local bodies; apprehension of superficial compliance with the order. While it is welcome that the Supreme Court has issued directions to remove stray dogs from schools, hospitals, highways, railway stations, and other public places, the real challenge lies in its actual implementation. Since the apex court has also directed the removal of other stray animals along with stray dogs from public places, it is easy to understand that the challenge for local bodies has increased. They currently lack the resources to carry out this task. Along with a lack of resources, they also lack the willpower. Evidence of this is the fact that the Supreme Court found that most states had not even filed their responses to its previous order in this regard. This is why it had to summon the chief secretaries of the states. The Supreme Court has ordered the removal of stray dogs and other stray animals, along with their vaccination, sterilization, and the creation of special enclosures and shelters for them. All of this should happen, but the fact is that even many major cities in the country do not have shelters for stray dogs and other stray animals. Clearly, implementing the Supreme Court's order is a difficult task. It is good that it has asked for a report on the status of compliance with its order after eight weeks, but the apprehension remains that the order to remove stray dogs and other stray animals may be followed only superficially. If this happens, the problem will remain unchanged. It would be advisable for the Supreme Court to monitor whether its orders are being properly implemented. This is necessary because many of its orders have not yet been acted upon. One such order is the removal of religious structures that obstruct traffic. The Supreme Court's order to remove stray dogs and abandoned animals from public places cannot be properly implemented unless state governments demonstrate seriousness. No matter how strict the Supreme Court is on the issue of stray dogs, the attitude of the states suggests that they do not consider it a major problem. Their attitude is the same regarding abandoned animals. This lackadaisical approach by state governments persists even though stray dogs and abandoned animals continue to cause accidents.

Vande Mataram: The First Mantra of National Awakening: Union Home Minister Amit Shah

Words born from the soul of the nation never die; they live forever, resonating through generations. This slogan will continue to echo through ages and generations for eternity. The time has come for us to view our rich history, our culture, our beliefs, and our traditions from the perspective of Indianness. Amit Shah. Many significant milestones have occurred in the history of our country when songs and arts, in various forms, played a crucial role in shaping movements by preserving popular sentiments. Whether it was the war songs of Chhatrapati Shivaji Maharaj's army, the anthems of freedom fighters during the independence movement, or the collective songs of the youth against the Emergency, all of them inspired and united Indian society with a sense of self-respect. Such is India's national song, Vande Mataram, whose history does not begin on a battlefield, but with the quiet yet unwavering resolve of the scholar Bankim Chandra Chattopadhyay. In 1875, on the day of Jagaddhatri Puja (Kartik Shukla Navami or Akshaya Navami), he composed the source that became the eternal song of India's freedom. While writing these sacred words, he was drawing inspiration from India's deepest civilizational roots. He was drawing inspiration from the declaration of the Atharvaveda, ‘Mata Bhumi: Putro Aham Prithivyah’ (Mother Earth: I am the son of the Earth), and from the invocation of the Universal Mother in the Devi Mahatmya. Bankim Babu's mantra was both a prayer and a prophecy. Vande Mataram is not only India's national song, not only the lifeblood of the freedom movement, but it is also the first declaration of cultural nationalism by Bankim Chandra Chattopadhyay. It reminded us that India is not just a piece of land, but a geo-cultural nation, whose unity comes from its culture and civilization. It is not merely a geographical area, but a pilgrimage site, a sacred land bound by memory, sacrifice, valor, and motherhood. As Maharishi Aurobindo described, Bankim was a sage of modern India, who revived the soul of the nation through his words. His Anandamath was not merely a novel, but a mantra in prose, which awakened a nation that had forgotten its divine power. In one of his letters, Bankim Babu wrote, ‘I have no objection if all my works are thrown into the Ganges. This verse alone will live forever. It will be a great hymn and will win the hearts of the people.’ These words were prophetic. Written during the darkest period of colonial India, Vande Mataram became the dawn song of awakening, a composition that linked cultural nationalism with civilizational pride. Such lines could only be written by a person whose every fiber was imbued with devotion to the nation. In 1896, Rabindranath Tagore set Vande Mataram to music and sang it at the Calcutta Congress session, giving it voice and immortality. This song transcended the boundaries of language and region and resonated throughout the country. In Tamil Nadu, Subramania Bharati translated it into Tamil, and in Punjab, revolutionaries openly challenged the British Raj while singing it. In 1905, during the Partition of Bengal movement, a rebellion erupted in Bengal. The British had banned the public recitation of ‘Vande Mataram,’ yet on April 14, 1906, thousands defied this order in Barisal. When the police lathi-charged the peaceful assembly, men and women were left bleeding on the streets, shouting the slogan ‘Vande Mataram.’ From there, the ‘Vande Mataram’ mantra reached California with the revolutionaries of the Ghadar Party. It also resonated in the Azad Hind Fauj when Netaji's soldiers were marching from Singapore. Similarly, it echoed in the Royal Indian Navy mutiny of 1946 when Indian sailors hoisted the tricolor on British warships. From Khudiram Bose to Ashfaqulla Khan, from Chandrashekhar Azad to Tiruppur Kumaran, the slogan was the same. It is no longer just a song, but has become the voice of India's collective soul. Mahatma Gandhi himself acknowledged that Vande Mataram had the "magical power to awaken even the most sluggish blood." It united liberals and revolutionaries, scholars and sailors alike. That is why Maharishi Aurobindo called it the 'mantra of India's rebirth'. On October 26, in his Mann Ki Baat program, Prime Minister Narendra Modi reminded the countrymen of this history of the Vande Mataram song. To commemorate the 150th anniversary of the national song Vande Mataram, the Government of India has decided to organize various programs for the next one year, starting from November 7. Through these various events, the complete rendition of Vande Mataram will be performed across the country, enabling the young generation to internalize the idea of ??cultural nationalism. Today, as we celebrate Bharat Parv and respectfully remember Sardar.

सारे सपने हो गए चकनाचूर..., हाईवे पार कर रही छात्रा को स्कार्पियों ने कुचला, TMU के सामने दर्दनाक हादसा

मुरादाबाद के पाकबड़ा में हादसे में बड़ी बेटी के मौत की जानकारी मिलने पर परिजन शाम को पाकबड़ा थाने में पहुंच गए। मां रोते-रोते थाने में बेहोश हो गई। बोलीं सारे सपने चकनाचूर हो गए। रामपुर जिले के पीपली नायक टांडा निवासी मजदूर सत्यपाल सिंह के तीन संतानों में भावना सबसे बड़ी थी। मुरादाबाद के पाकबड़ा में दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर टीएमयू के सामने रविवार की दोपहर सड़क पार करते समय जीएनएम तृतीय वर्ष की छात्रा मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद आधार पर पुलिस स्कार्पियो चालक की तलाश रहने वाली भावना (20) टीएमयू में किराये का कमरा लेकर अपनी सहपाठी ऋचा कमरे से टीएमयू के लिए निकली। वह ऑटो इसी बीच दिल्ली की ओर जा रही बाइक से स्कार्पियों ने छात्रा को टक्कर मार दी। उसकी चालक भाग निकला। इस दौरान हाईवे से 112 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। छात्रा के सिर के ऊपर से स्कार्पियो गुजरने शव को मोचरी भेज दिया।हादसे की वजह शव को देखने के लिए लोगों की भीड़ को हटाया। इसके बाद यातायात सामान्य हो फुटेज की मदद से स्कार्पियो के चालक की लिया है। इस मामले में अज्ञात चालक के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। एक सप्ताह के अंदर दूसरा हादसा - दिल्ली-लखनऊ नेशनल हाईवे लगातार हादसों के कारण दुर्घटना बहुल क्षेत्र बनता जा रहा है। एक सप्ताह के भीतर इस मार्ग पर यह दूसरी घटना है। इसके पहले कार की टक्कर से दो महिलाओं और एक बच्चे सहित तीन की मौत हो चुकी है। लगातार हो रहे हादसों से लोगों में आक्रोश है। लोगों का कहना है कि टीएमयू हॉस्पिटल के सामने पैदल पार पथ या स्पीड ब्रेकर नहीं है। इस कारण आए दिन छात्राओं और राहगीरों को सड़क पार करते समय जोखिम उठाना पड़ता है।रोते-रोते थाने में मां हुई बेहाश, बोलीं सारे सपने हो गए चकनाचूर- मुरादाबाद के पाकबड़ा में हादसे में बड़ी बेटी के मौत की जानकारी मिलने पर परिजन शाम को पाकबड़ा थाने में पहुंच गए। मां रोते-रोते थाने में बेहोश हो गई। बोलीं सारे सपने चकनाचूर हो गए। रामपुर जिले के पीपली नायक टांडा निवासी मजदूर सत्यपाल सिंह के तीन संतानों में भावना सबसे बड़ी थी। पिता ने बेटी का जीएनएम में एडमिशन कराया था। तीन माह में बेटी का कोर्स पूरा होने वाला था। भावना के साथ रहने वाली ऋचा ने बताया कि भावना तीन माह से जीएनएम का इंटरशिप कर रही थी। उसकी ड्यूटी दोपहर दो बजे से थी रविवार को उसे तैयार होने में देरी हो गई। इसी कारण वह ऑटो से टीएमयू के सामने उतरी और शार्टकट सड़क पार करने लगी। हादसे के काफी देर बाद उसे जानकारी मिली। अवकाश पर होने के कारण ऋचा भावना के साथ नहीं गई। पिता ने बताया कि बेटा विनय (18) और बेटी मोनी (15) हैं। बड़ी बहन की मौत से दोनों भाई बहन थाने में सिर्फ रो रहे थे। मां सुनीता थाने में रोते हुए बेसुध हो गई। इस दौरान बेटे ने अपनी मां को संभाला। मांब ने बताया कि पांच नवंबर को गंगा स्नान के समय भावना घर गई थी। भावना ने बताया था कि वह तीन माह में इंटरशिप पूरा करने के बाद नौकरी के काबिल हो जाएंगी। वह अपने माता-पिता का सहारा बनेगी लेकिन काल ने बेटी को निंगल लिया। सारे सपने चकनाचूर हो गए।फुटेज में दिखाई दिया ट्रक और स्कार्पियो एक साथ जा रहे थे पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की जांच की तो पाया कि दिल्ली की तरफ ट्रक और स्कार्पियो एक साथ जा रहे थे। छात्रा भावना ऑटो से उतरने के बाद सड़क का आधा हिस्सा पार कर चुकी थी। इसी समय ट्रक और स्कार्पियो के बीच आ रही बाइक से छात्रा को टक्कर लगी और वह स्कार्पियो की चपेट में आ गई।स्कार्पियो चालक छात्रा को कुचलने के बाद अपनी रफ्तार कम नहीं किया और भाग निकला। पुलिस अभी स्कार्पियो के नंबर का पता लगाने के लिए अन्य फुटेज की जांच कर रही है।

पुलिस ने मस्जिदों-चर्चों से उतरवाए लाउडस्पीकर, पांच मंदिरों की भी जांच, संचालकों को दी गई हिदायत

कुंदरकी पुलिस ने धार्मिक स्थलों पर लगे लाउडस्पीकरों की चेकिंग की। बीस जगहों से लाउडस्पीकर सहमति से उतरवाए गए। पुलिस ने सभी धार्मिक स्थलों को सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन करने की हिदायत दी।कुंदरकी पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन करते हुए नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकरों के खिलाफ चेकिंग अभियान चलाया। यह कार्रवाई ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण और निर्धारित दिशा-निर्देशों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए की गई।पुलिस की पांच टीमों ने दिनभर नगर क्षेत्र से लेकर ग्रामीण इलाकों तक फैले मंदिरों, मस्जिदों, चर्चों और अन्य धर्मस्थलों की जांच की। चेकिंग के दौरान पाया गया कि कुल 162 धार्मिक स्थलों में लगे लाउडस्पीकरों में से 40 की ध्वनि निर्धारित मानक से अधिक थी।पुलिस ने तत्काल प्रभाव से इनकी आवाज मानक स्तर पर कराई और संबंधित लोगों को सख्त हिदायत दी कि भविष्य में किसी भी हालत में दिशा-निर्देशों का उल्लंघन न किया जाए। एसएसआई मनोज कुमार ने बताया कि अब तक 20 अतिरिक्त लाउडस्पीकरों को सहमति से उतरवाया गया है। सभी धार्मिक संस्थानों से सहयोग लिया जा रहा है ताकि कानून व्यवस्था और शांति बनी रहे। उन्होंने कहा कि यह अभियान लगातार जारी रहेगा और शेष बचे धर्मस्थलों की चेकिंग की जाएगी। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसी भी धार्मिक स्थल पर निर्धारित सीमा से अधिक ध्वनि होने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान पुलिस ने लोगों को सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के बारे में जागरूक भी किया और अपील की कि धार्मिक आयोजनों में ध्वनि की सीमा का पालन कर सामाजिक सौहार्द बनाए रखें।

प्रेम विवाह के बाद बनी फर्जी डॉक्टर: निजी अस्पताल में थी आया, खोल दिया नर्सिंग होम, ऑपरेशन करते समय गिरफ्तार

गुन्नौर में आया के रूप में काम करने वाली महिला ने प्रेम विवाह के बाद नर्सिंग होम खोलकर खुद को स्त्री रोग विशेषज्ञ बताकर इलाज और डिलीवरी ऑपरेशन शुरू कर दिए। चिकित्सा विभाग की छापेमारी में यह फर्जीवाड़ा उजागर हुआ। एसीएमओ की जांच रिपोर्ट के आधार पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। गुन्नौर के निजी अस्पताल में आया के तौर पर काम करने वाली महिला ने प्रेम विवाह करने के बाद गुन्नौर में एक नर्सिंग होम खोल लिया और स्त्री रोग विशेषज्ञ बनकर न सिर्फ महिलाओं का इलाज कर रही थी, बल्कि आपरेशन से डिलीवरी भी कर रही थी। विभागीय छापे में खुलासा होने के बाद एसीएमओ की ओर से महिला के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया। महिला फरार हो गई थी। रविवार को पुलिस ने महिला को गिरफ्तार करने के बाद अदालत में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। इसके साथ ही सहायक के तौर पर उसके साथ काम करने वालों की जांच भी शुरू कर दी गई है। चिकित्सा विभाग की टीम द्वारा अवैध अस्पतालों के खिलाफ बीती तीन नवंबर को छापा मारा था। चेकिंग के दौरान गुन्नौर चौराहा पर स्थित गय्यूर अली की दुकानों के अंदर संचालित साई अस्पताल को चेक करने पर पता लगा कि अस्पताल को अनिल कुमार निवासी गली श्यामपुरी कस्बा व थाना नरौरा अपनी पत्नी बबीता के साथ मिलकर संचालन कर रहे हैं। मौके पर मौजूद बबीता ने बताया कि उनके अस्पताल का रजिस्ट्रेशन उनके पति डॉ. अनिल कुमार के नाम पर है तथा दस्तावेज भी उन्हीं के पास हैं। स्वास्थ्य टीम ने अस्पताल से डिलीवरी इस्ट्रुमेंट, ड्राफ्टर तथा कई तरह की ओपीडी संबंधित दस्तावेज बरामद कर लिए। मौजूद महिला को आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने को कहा गया, लेकिन सात नवंबर तक कोई दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए गए। इस मामले में मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा उक्त अस्पताल की जांच एसीएमओ डॉ. मनमोहन शर्मा को सौंपी गई। जांच के बाद एसीएमओ ने महिला बबीता के खिलाफ तहरीर देकर थाने में मुकदमा पंजीकृत करा दिया। थाना प्रभारी अखिलेश प्रधान ने बताया कि रविवार को पुलिस ने बबीता को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां से उसे भेज भेज दिया गया है। एक निजी अस्पताल में थी आया, नर्सिंग होम खोल बन गई डॉक्टर-पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार की गई बबीता ने वर्ष 2012 में कक्षा 12 की परीक्षा पास की थी। थाना पुलिस के अनुसार इंटर करने के बबीता ने बाद अमरोहा जनपद के हसनपुर कस्बा स्थित एक नर्सिंग होम में बतौर आया काम शुरू कर दिया। कुछ समय बाद वह रजपुरा में स्थित सेवा क्लीनिक में काम करने लगी। इसी दौरान उसकी मुलाकात अनिल यादव निवासी श्यामपुरी कस्बा व थाना नरौरा जनपद बुलंदशहर से हो गई। अनिल यादव पहले से ही शादीशुदा था। दोनों के बीच प्रेम संबंध होने के बाद अनिल यादव ने उससे शादी कर ली और वर्ष 2019 में बबीता को गुन्नौर चौराहा पर साई पॉलिक्लीनिक खोल लिया। बबीता खुद को स्त्री रोग विशेषज्ञ बताती थी।

भावना (20) को स्कार्पियो ने कुचल दिया। छात्रा की चालक वाहन लेकर भाग निकला। सीसीटीवी फुटेज के कर रही है। रामपुर जिले के पीपली नायक टांडा की जीएनएम की तृतीय वर्ष की छात्रा थी। वह पाकबड़ा में के साथ रहती थी। रविवार की दोपहर ढाई बजे छात्रा से टीएमयू के सामने उतरी और हाईवे पार करने लगी। टकराने के बाद वह स्कार्पियो की चपेट में आ गई। घटनास्थल पर मौत हो गई। हादसे के बाद स्कार्पियो गुजर रहे बागड़पुर निवासी मनोज प्रजापति ने तुरंत डायल सूचना मिलने के बाद पाकबड़ा पुलिस मौके पर पहुंची। से उसका चेहरा पहचानने के काबिल नहीं था। पुलिस ने से कुछ समय के लिए हाईवे पर लंबा जाम लग गया। इकट्ठा हो गई। पुलिस ने लोगों को समझा बुझाकर भीड़ सका। थानाध्यक्ष योगेश कुमार ने बताया कि सीसीटीवी तलाश की जाएगी। पुलिस ने फुटेज को कब्जे में ले

सुहागरात पर दूल्हे की मौत... ससुराल में डोली पहुंचने के कुछ घंटे बाद दुल्हन का शौहर के जनाजे से सामना

अमरोहा में निकाह के कुछ घंटे बाद ही दूल्हे की जान जाने से हर कोई अवाक रह गया। सुर्ख जोड़े में सजी दुल्हन यह जानकारी मिलते ही बेहोश हो गई। होश आने के बाद भी उसके आंसू थम नहीं रहे थे।अमरोहा में निकाह के बाद दुल्हन के साथ घर लौटे परवेज आलम उर्फ गुड्डू (42) की शादी की रात ही सांसें थम गईं। शनिवार देर रात अचानक गुड्डू की तबीयत बिगड़ी। इलाज की कोशिशों के बीच उन्होंने दम तोड़ दिया। डॉक्टर ने मौत का कारण हार्ट अटैक बताया है।गुड्डू अमरोहा शहर के मोहल्ला नोगजा के रहने वाले थे। जामा मस्जिद रोड पर किताबों की दुकान का संचालन करने वाले गुड्डू के माता-पिता और बड़े भाई का पहले ही इंतकाल हो चुका है। इसके बाद से वह अपने छोटे भाई पप्पू के साथ रहते थे। शनिवार की रात मोहल्ला नल नई बस्ती के एक मैरिज हॉल में गुड्डू की बरात गई थी। वहां मोहल्ला बड़ा दरबार में रहने वाले परिवार की बेटी से उनका निकाह हुआ। निकाह के बाद दुल्हन को लेकर गुड्डू रिश्तेदारों के साथ घर लौट आए।रात करीब दो बजे अचानक गुड्डू की तबीयत बिगड़ी- रविवार को वलीमे (खुशी की दावत) का कार्यक्रम होना था। शनिवार देर रात करीब दो बजे अचानक गुड्डू की तबीयत बिगड़ गई। सीने में दर्द बताने पर परिजन उन्हें निजी अस्पताल ले गए। डॉक्टरों ने उन्हें मुरादाबाद रेफर कर दिया। मुरादाबाद के निजी अस्पताल में देखते ही डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने बताया कि डॉक्टर ने हार्ट अटैक से जान जाने की बात कही है।ससुराल में डोली पहुंचने के कुछ घंटे बाद ही शौहर के जनाजे से सामना- निकाह के कुछ घंटे बाद ही दूल्हे की जान जाने से हर कोई अवाक रह गया। सुर्ख जोड़े में सजी दुल्हन यह जानकारी मिलते ही बेहोश हो गई। होश आने के बाद भी उसके आंसू थम नहीं रहे थे।बार-बार पछाड़ें खा रही दुल्हन के आंसू सारा श्रृंगार बहा ले गए। हालात इस तरह के बने कि ससुराल में दुल्हन बनकर पहुंचने के कुछ समय बाद ही उसे शौहर के जनाजे का सामना करना पड़ा। बदहवास दुल्हन को सहारा दे रहीं रिश्तेदार और आसपास की महिलाएं भी सुबक रही थीं। हर कोई उस खराब घड़ी को कोस रहा था, जिसमें देखते ही देखते बसने से पहले नए जोड़े की गृहस्थी उजड़ गई। हालात के आगे हर कोई मजबूर था। परवेज आलम उर्फ गुड्डू के भाई पप्पू ने बताया कि छह महीने पहले ही शादी तय हुई थी। पिता कदीर अहमद, माता अफसरी और बड़े भाई तनवीर के इंतकाल के बाद से घर में गहराए सुनेपन को भाई की शादी की खुशी से दूर कर लेने की उम्मीद थी लेकिन कुदरत को कुछ और ही मंजूर था। दो बहनें शहनाज और सनुज बेगम शादीशुदा होने के कारण कभी-कभी ही मायके आ पाती हैं। पप्पू ने बताया कि शादी के अगले दिन रविवार को वलीमे की तैयारी थी। समाज के बीच कार्ड बंट चुके थे। इस अनहोनी से वलीमे की तैयारी छोड़कर दूल्हा बने भाई को आखिरी विदाई देनी पड़ी। गमजदा रिश्तेदारों और आसपास के लोगों ने रविवार दिन में गुड्डू के शव को सुपुर्द-ए-खाक कर दिया।



संक्षिप्त समाचार

प्रेमी सिपाही से निकाह करने थाने पहुंची प्रेमिका, तीन घंटे चला हाईवोल्टेज ड्रामा, अफसर भी चकराए

ठाकुरद्वारा में दिल्ली की नर्स ने अपने प्रेमी सिपाही से निकाह कराने के लिए कोतवाली में हंगामा किया। दोनों के बीच करीब नौ साल से प्रेम संबंध थे। नर्स का आरोप था कि सिपाही नौकरी लगने के बाद निकाह से बच रहा है। बाद में गांव वालों की मध्यस्थता से दोनों पक्षों की सहमति से 13 नवंबर को निकाह की तारीख तय की गई।ठाकुरद्वारा में नर्स ने कोतवाली पहुंचकर अपने प्रेमी सिपाही से निकाह करने के लिए जमकर हंगामा किया। नर्स निकाह करने पर अड़ी रही। करीब तीन घंटे तक दोनों पक्ष में जद्दोजहद हुई। वहीं गांव के लोगों ने समझाया तो 13 नवंबर की तारीख निकाह के लिए तय कर दी गई।पुलिस ने दोनों पक्षों को कोतवाली से वापस भेज दिया। ठाकुरद्वारा अंतर्गत एक गांव निवासी युवक बुलंदशहर जनपद के एक पुलिस चौकी में सिपाही पद पर कार्यरत है। वह शनिवार को अपने गांव आया हुआ था।इसकी जानकारी उसकी प्रेमिका को लगी तो उसने शनिवार की रात इसकी सूचना 112 डायल पुलिस को दी। 112 डायल पुलिस युवती और सिपाही को कोतवाली ले आई। युवती ने पुलिस को बताया कि कि उसका सिपाही से करीब नौ वर्ष से प्रेम प्रसंग चल रहा है। वह एक निजी अस्पताल दिल्ली में नर्स का काम करती है। युवती ने आरोप लगाया कि वह उसके साथ निकाह का झांसा देकर संबंध बनाता रहा, लेकिन पुलिस की नौकरी लग जाने के बाद वह निकाह करने से टालमटोल कर रहा है। वह गांव आया था तो नर्स ने उससे निकाह करने को कहा तो वह फिर टाल मटोल करने लगा। जिस पर उसने इसकी सूचना 112 डायल पुलिस को दी। कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक ने दोनों पक्षों को रविवार को कोतवाली में बुलाया। सिपाही ने प्रभारी निरीक्षक के समस्त कहा कि वह निकाह करने के लिए तैयार है, लेकिन उसे समय दिया जाए। लेकिन युवती नहीं मान रही थी। वह रविवार को ही निकाह करने पर अड़ी रही। नर्स के परिजनों ने भी रविवार को ही निकाह करने की मांग की, लेकिन युवक नहीं मान रहा था। बाद में गांव के कुछ लोगों ने मध्यस्थता कराकर दोनों पक्षों को समझाया। इसके बाद दोनों की सहमति से निकाह की तारीख 13 नवंबर निर्धारित की गई। कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक मनोज परमार ने बताया कि दोनों पक्षों को समझाने पर निकाह करने के लिए सहमत हो गए हैं। उन्हें घर भेज दिया गया है।

मुझे पति पसंद नहीं’: अचानक प्रेमी के घर पहुंच गई नवविवाहिता.. करने लगी हंगामा, तीन माह पहले हुई है शादी

ठाकुरद्वारा में नवविवाहिता ने प्रेमी के घर जाकर हंगामा काटा। पुलिस ने उसे समझाकर घर भेजा। दूसरे मामले में भी युवती ने शादी की बात कर युवक के यहां पहुंची। इसके बाद दोनों का निकाह करवा दिया गया।ठाकुरद्वारा क्षेत्र के एक गांव निवासी नवविवाहिता अपने प्रेमी के घर जाकर विवाह करने की मांग करने लगी। वह घर पर हंगामा भी किया। सूचना पर पुलिस गांव में पहुंची और प्रेमी युगल को कोतवाली ले आई।पूछताछ में पता चला कि विवाहित प्रेमिका का विवाह करीब तीन माह पूर्व हुआ था, लेकिन वह अपने पति के साथ नहीं रहना चाहती और गांव निवासी प्रेमी के साथ ही शादी करना चाहती है।कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मनोज परमार ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद कहा कि यदि प्रेमिका अपने प्रेमी के साथ रहना चाहती है तो उसे पहले पति से तलाक लेना होगा। फिर कानूनी प्रक्रिया के बाद उसे अपने-अपने प्रेमी के साथ विवाह कर रह सकती है। इस पर दोनों पक्ष वहां से चले गए। उधर, दूसरे मामले में एक गांव निवासी युवती शनिवार की रात को अपने प्रेमी के घर पहुंच गई। उसने वहां हंगामा करते हुए प्रेमी से निकाह कराने की मांग की। युवक के परिजन राजी हो गए, लेकिन युवती के परिजन इसके खिलाफ थे। हालांकिबाद में दोनों का निकाह करा दिया गया। रविवार को प्रेमी युगल ने कोतवाली पहुंचकर युवती के परिजनों पर धमकी देने का आरोप लगाया है। उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने युवती के परिजनों को भविष्य में ऐसी हरकत न करने की हिदायत दी।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा
मो. 9027776991
RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

इयँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

राष्ट्रीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में 836 खिलाड़ी दिखाएंगे दम

11 से 15 नवंबर तक होगा आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। राजकीय इंटर कॉलेज के मैदान में 11 से 15 नवंबर तक होने वाली 69वीं वॉलीबॉल अंडर-17 के 836 खिलाड़ी दूसरी बार प्रतियोगिता मिली है। प्रतियोगिता और बालिका वर्ग की बालक वर्ग में 23 प्रदेशों और सात शामिल हैं। वहीं, राज्य, छह केंद्रशासित प्रदेश और छह यूनिट्स हिस्सा ले रही हैं। बालक वर्ग में 431 और बालिका वर्ग में 405 खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। यह जानकारी मंडल के संयुक्त शिक्षा निदेशक व आयोजन के सचिव राकेश कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. अजीत कुमार, पीएमश्री राजकीय इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य ओम प्रकाश राय और मंडलीय क्रीड़ा सचिव नईम अहमद ने रविवार को प्रेसवार्ता में दी। प्रतियोगिता के लिए अलग-अलग राज्यों की टीमों का शहर में आगमन शुरू हो गया है। सोमवार को सभी टीमों अभ्यास सत्र में हिस्सा लेंगी। 220 ग्राम का होगा मेडल-विजेता टीमों के लिए विशेष रूप से बनवाई गई ट्रॉफी 50 इंच की है और ब्रास से निर्मित है। 220 ग्राम के पदक से भी नवाजा जाएगा। प्रतिभागी को एक बैग मिलेगा। जिसमें एक वॉलीबॉल, टी-शर्ट व कॉफी मग शामिल है।

राष्ट्रीय महिला आयोग की पूर्व सदस्य ने गहने और नकदी भरा बैग चोरी होने एफआईआर दर्ज कराई

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। राष्ट्रीय महिला आयोग की पूर्व सदस्य शमीना शफीक के साथ बरेली में टपेबाजी की इज्जतनगर थाने में लाखों के चोरी होने की एफआईआर दर्ज विजेंद्र सिंह को बताया कि वह थीं। वहां से अपने घर सीतापुर से निकले। रविवार रात वह लोग सीमा में पहुंचे। यहां लखनऊ खाना खाने के लिए उन्होंने कार रोकी। कार लॉक करके परिवार समेत वह रेस्टोरेंट में गईं। थोड़ी देर बाद वह खाना खाकर निकलीं तो उनकी कार का शीशा टूटा हुआ था। कार के अंदर रखे बैग से लगभग 15 लाख रुपये के गहने और 20 हजार रुपये गायब थे। थाना प्रभारी विजेंद्र सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली है। सीसी कैमरे चेक किए जा रहे हैं। जल्दी ही चोर का पता लगा लिया जाएगा।

महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय कैम्पस टीम ने एस.एस.

कॉलेज को दी फाइनल में मात

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त अन्तरमहाविद्यालयी क्रिकेट प्रतियोगिता 2025-26 का फाइनल मुकाबला महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय कैम्पस और एस.एस. कॉलेज के मध्य हुआ। इस अवसर पर मुख्य



अतिथि प्रो. एस.एस. बेदी (क्रीड़ा सचिव, महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय), विशिष्ट अतिथि श्री के.बी. अग्रवाल (आई.ए.एस. एवं पूर्व उपाध्यक्ष बी.डी.ए.) महाविद्यालय के संस्थापक अध्यक्ष राम प्रकाश अग्रवाल, अध्यक्ष अनिल कुमार अग्रवाल, महामंत्री शशि भूषण अग्रवाल (राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित), वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रेम शंकर अग्रवाल, क्रीड़ा संयोजक गिरीश चन्द्र अग्रवाल, के.पी.गोयल, प्राचार्य डॉ. सौरभ अग्रवाल, क्रीड़ाधिकारी ई. धीरज अग्रवाल तथा स्पोर्ट्स कमेटी के सदस्यो ने दीप प्रज्जलित कर मैच प्रारम्भ किया। क्रीड़ा सचिव गिरीश चन्द्र अग्रवाल ने इस अवसर पर उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया एवं सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। मुख्य अतिथि प्रो. एस.एस. बेदी ने कह कि युवा खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है यह भविष्य के लिये अच्छे संकेत है। विशिष्ट अतिथि श्री के.बी. अग्रवाल खिलाड़ियो को और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए गुर सिखाये। अध्यक्ष अनिल कुमार अग्रवाल ने योजना के अनुसार खेलना सफलता की कुन्जी है। महामंत्री शशि भूषण अग्रवाल ने कहा कि खेल भावना ही असली जीत है। प्राचार्य डॉ. सौरभ अग्रवाल ने सभी खिलाड़ियो एवं अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया। क्रीड़ाधिकारी ई. धीरज अग्रवाल द्वारा चार द्विवसीय क्रिकेट पुरुष प्रतियोगिता की सम्पूर्ण रूपरेखा से अवगत कराया। आज के फाइनल मुकाबले में महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय कैम्पस की टीम ने 144 रन 10 विकेट खोकर बनाये वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुये एस.एस. कॉलेज की टीम 18.1 ओवर में मात्र 122 रन ही बना सकी। विजेता टीम महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय कैम्पस ने यह प्रतियोगिता 22 रन से जीत ली। मैन आफ द मैच का खिताब पीयूष पटेल, सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज का खिताब मोहम्मद अलीउद्दीन तथा सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज का खिताब हर्षित माथुर को दिया गया। पुरस्कार वितरण समारोह में महाराजा अग्रसेन शिक्षा समिति के संस्थापक अध्यक्ष राम प्रकाश अग्रवाल को उनके 91वें जन्मदिन पर सम्मानित किया गया साथ ही उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत महाविद्यालय के पंजीकरण में महत्वपूर्ण योगदान हेतु, गणित विभाग के प्रवक्ता शिवम गंगवार को भी सम्मानित किया गया। मैच में रेफरी के रूप में अनुज चैहान, सन्दीप पॉल तथा विराट यादव का महत्वपूर्ण योगदान रहा। क्रीड़ा समिति के सदस्यों संचित कक्कड़, मयंक शर्मा, अजीत सिंह, प्रफुल्ल पाठक, रामलखन का विशेष योगदान रहा। मंच संचालन डॉ. रेशू जौहरी ने किया।

रुहेलखंड विश्वविद्यालय: दीक्षांत समारोह के लिए ड्रेस कोड जारी, आज आ सकती हैं महामहिम

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। 13 नवंबर को आयोजित होने वाले रुहेलखंड विश्वविद्यालय के 23वें दीक्षांत समारोह की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। परिसर में रंगाई-पुताई का काम तेज होने के साथ ही कार्यक्रम में शामिल होने वाले सभी सदस्यों के लिए आधिकारिक वेशभूषा (ड्रेस कोड) निर्धारित कर दी गई है। वहीं, राज्यपाल के रुकने के दौरान गेस्ट हाउस की व्यवस्थाएं होटल मैनेजमेंट के विद्यार्थी ही संभालेंगे। कुलसचिव हरीश चंद ने बताया कि पुरुष सदस्यों के लिए बंद गले का ऑफ व्हाइट कोट और पैंट पहनना अनिवार्य किया गया है। महिला सदस्यों को लाल बॉर्डर की ऑफ व्हाइट साड़ी के साथ लाल कलर का ब्लाउज पहनना होगा। आवश्यकतानुसार वे ऑफ व्हाइट कोट या स्वेटर भी धारण कर सकती हैं। शोभा यात्रा में शामिल होने वाले सदस्यगण, कार्यपरिषद सदस्य, विद्यापरिषद सदस्य और संकाय अध्यक्षों को भी इस निर्धारित ड्रेस कोड का सख्ती से पालन करना होगा। 12 नवंबर को आ सकती हैं राज्यपाल राज्यपाल और विश्वविद्यालय की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल समारोह में शामिल होने के लिए 12 नवंबर को आ सकती हैं। वह विश्वविद्यालय परिसर में ही विश्राम करेंगी। विश्वविद्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, राज्यपाल अपने प्रवास के दौरान परिसर में बनी विभिन्न शैक्षणिक इकाइयों, प्रशासनिक विभागों और अन्य सुविधाओं का निरीक्षण कर सकती हैं। माना जा रहा है कि वह बाल वाटिका, बेसिक स्कूलों या अन्य सरकारी संस्थानों का अचानक निरीक्षण कर सकती हैं। इस संभावना को देखते हुए, संबद्ध सरकारी संस्थान भी अपनी तैयारियों को अंतिम रूप दे रहे हैं। राज्यपाल के ठहरने की व्यवस्था के लिए परिसर में स्थित गेस्ट हाउस की साफ-सफाई और साज-सज्जा का कार्य तेजी से चल रहा है। शोभायात्रा का पूर्वाभ्यास 12 नवंबर को दीक्षांत समारोह सुबह 11 बजे से विश्वविद्यालय परिसर स्थित अटल सभागार में संपन्न होगा। दीक्षांत समारोह को सफल बनाने और व्यवस्थाओं को परखने के लिए 12 नवंबर को शोभायात्रा का पूर्वाभ्यास किया जाएगा। इसके लिए दोपहर तीन बजे का समय निर्धारित किया गया है। सभी अधिकारियों व कर्मचारियों से तय समय पर उपस्थित होने की अपील की गई है।

कवियों ने गुदगुदाया, हंसाया तो भावविह्वल भी किया

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था साहित्य सुरभि की नियमित मासिक काव्य गोष्ठी डॉक्टर राजेश शर्मा आवास पर काव्य गोष्ठी का आए वरिष्ठ कवि ने बखूबी संभाला। से शॉल उढ़ाकर साहित्यिक सेवाओं किया गया। काव्य गोष्ठी वरिष्ठ साहित्यकार रणधीर प्रसाद गौड़ ‘धीर’ की अध्यक्षता, गीतकार कमल सक्सेना के मुख्य आतिथ्य और हिमांशु श्रोत्रिय ‘निष्पक्ष’ एवं अनिरुद्ध शर्मा ‘अनु’ के विशिष्ट आतिथ्य में संपन्न हुई। सभी वाणीपुत्रों ने मां सरस्वती के श्रीचरणों में अपनी सारगर्भित रचनाओं को समर्पित किया। गोष्ठी में 21 कवियों के साथ ही 10 कविता प्रेमी सुधी श्रोताओं ने भी सहभागिता की और कविताओं का आनंद लेकर अपनी साहित्यिक अभिरुचि प्रदर्शित की। इससे पूर्व वरिष्ठ कवयित्री शिवरक्षा पांडे ने सरस्वती वंदना कर भक्तिभावना के पवित्र प्रसून अर्पित किए।

12वें नेशनल आर्ट कंपटीशन कलर बैलून में रिया, प्रकाश, अणिमा को पहला स्थान

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। एसआरएमएस रिड्डिमा में 12वीं राष्ट्रीय कला प्रतियोगिता का सफल आयोजन हुआ। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी बरेली शहर के प्रतिष्ठित स्कूलों एवं कॉलेज से 100 से अधिक प्रतियोगियों ने इस प्रतियोगिता में उत्साह पूर्वक हिस्सा लिया और अपनी कला का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के गुप ए में एसआर इंटरनेशनल की छात्रा रिया सिंह, गुप बी में गुप बी में एसआर इंटरनेशन के प्रकाश खंडेलवाल और गुप सी में एसआरएमएस मेडिकल कालेज की अणिमा लाल ने पहला स्थान हासिल किया। इस वर्ष तीन वर्गों में आयोजित प्रतियोगिता में कक्षा 6-8, 9-12 एवं स्नातक स्तर के विद्यार्थी शामिल हुए। प्रतियोगिता में स्वच्छ भारत, यूनिटी इन डाइवर्सिटी और आर्ट फॉर्म्स ऑफ़ इंडिया विषय पर चित्र बना कर प्रदर्शित करना था। प्रतियोगिता में प्रत्येक स्तर के प्रतिभागियों ने उत्कृष्ट कल्पनाशीलता का परिचय दिया। प्रतियोगिता में शामिल विद्यार्थियों के लिए कला विभाग की ओर से एक कार्यशाला भी आयोजित की गई। इसमें 50 से अधिक लोगों ने प्रतिभाग किया। कार्यशाला में कला विभाग के गुरु सौरभ रस्तोगी ने जल, तैल एवं एक्रेलिक रंगों के मिश्रण एवं संयोजन की जानकारी दी और मानव आकृति का परिमाण युक्त चित्रण करना भी सिखाया। कार्यशाला एवं कला प्रतियोगिता के समापन समारोह के दौरान संस्थान के चेयरमैन देव मूर्ति जी ने विजयी प्रतियोगियों को पुरस्कार एवं प्रणाम पत्र प्रदान किए। उन्होंने कहा कि संस्थान का कला विभाग इसी प्रकार कार्यशालाओं, कला प्रतियोगिताओं एवं कला प्रदर्शनों का आयोजन निरंतर रूप से करता आ रहा है।

डीएम व जनप्रतिनिधि ने सेमीखेड़ा चीनी मिल के पेराई सत्र का हवन पूजन कर किया शुभारम्भ

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली । जिलाधिकारी अविनाश सिंह के अथक प्रयास से चीनी मिल सेमीखेड़ा का शुभारंभ किया गया जबकि विगत वर्ष सेमी खेड़ा चीनी मिल का आरम्भ 24 नवम्बर से हो सका था। किसान सहकारी चीनी मिल सेमीखेड़ा के पेराई सत्र 2025-26 का शुभारम्भ मा0 सांसद बरेली छत्रपाल गंगवार, मा0 विधान परिषद सदस्य बहोरन लाल मौर्य तथा जिलाधिकारी अविनाश सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में हवन पूजन कर पूरे विधि विधान के साथ किया गया। सांसद, एमएलसी व जिला अधिकारी ने इस अवसर पर फीता काटा, नारियल फोड़ा, चीनी मिल परिसर पर स्थापित मंदिर में पूजा-अर्चना की। बैलों को गुड़ खिलाया और ईश्वर से सकुशलता कि कामना करते हुए पेराई सत्र का आरम्भ किया। इस अवसर पर सर्वप्रथम गन्ना लाने वाले कृषकों को जनप्रतिधियों व जिलाधिकारी द्वारा शाल उढ़ाकर व मिठाई खिलाकर सम्मानित किया गया। कृषकों के टोकन भी काटे गए। इस अवसर पर जिलाधिकारी गन्ना किसानों के साथ संवाद भी स्थापित किया और समस्याओं को सुनकर सर्म्बाधित अधिकारियों को निस्तारण कराने तथा सरकार द्वारा निर्धारित दरों पर गन्ना मूल्य का भुगतान साप्ताहिक रूप से किये जाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने मिल में स्थित वजन कांटा मशीन को भी देखा कि किसानों के गन्ने की तौल उचित प्रकार से किये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने सम्बन्धित मिल अधिकारियों को निर्देश दिये कि गन्ना किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि मिल संचालन की प्रथम तिथि से मिल की पूरी क्षमता पर पेराई की जाये। गन्ना क्रय केन्द्रों की स्थापना के साथ ही क्रय केन्द्रों से गन्ना लाने हेतु ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था भी दुरस्त कर ली जाए

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

जिहल ग्राम पंचायत के विकास कार्यों और प्रधान की संपत्ति पर उठे सवाल चुनाव से पहले हो निष्पक्ष जांच, गांव के विकास की सच्चाई आए सामने

क्यूँ न लिखूँ सच/ताज मलिक / अमरोहा जनपद के हसनपुर विकासखंड की जिहल ग्राम पंचायत में चुनावी हलचल तेज होते ही ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान के कार्यकाल पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। गांव के लोगों का कहना है कि ग्राम प्रधान द्वारा कराए गए विकास कार्यों की वास्तविकता की जांच होनी चाहिए, साथ ही यह भी पता लगाया जाए कि प्रधान की संपत्ति में पिछले पांच वर्षों में कितना इज़ाफ़ा हुआ है। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रधान बनने से पहले ग्राम प्रधान की आर्थिक स्थिति साधारण थी, लेकिन अब उनके पास कई संपत्तियाँ दिखाई दे रही हैं। लोगों की मांग है कि प्रशासन यह जांच करे कि यह संपत्ति वैध आय से अर्जित की गई है या ग्राम पंचायत के विकास फंड में गड़बड़ी करके। गांव के नागरिकों ने कहा कि यह पता लगाया जाए कि प्रधान ने अपने कार्यकाल में कितने सरकारी नल और हंडंपन लगवाए, कितनी स्ट्रीट लाइटें लगाईं और क्या वे चालू अवस्था में हैं। साथ ही गांव की सफाई व्यवस्था, नालियों, सड़कों और जल निकासी के काम की भी जांच की जाए। ग्रामीणों ने सवाल उठाया है कि कई विकास कार्य काजगों पर पूरे दिखाए गए, लेकिन ज़मीन पर उनका कोई अस्तित्व नहीं है। लोगों का कहना है कि यदि प्रधान ने सरकारी धन का दुरुपयोग किया है, तो उस पर सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। इसके अलावा, ग्रामीणों ने यह भी कहा कि यह जांच होनी चाहिए कि क्या ग्राम प्रधान ने प्रधानमंत्री आवास योजना, विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन और दिव्यांग पेंशन जैसी योजनाओं का लाभ पात्र परिवारों तक पहुंचाया या नहीं। गरीब परिवारों को बिना रिश्तत या कमीशन के आवास मिले या नहीं – यह जानना भी ज़रूरी है। गांव के लोगों की मांग है कि सरकार ग्राम पंचायत जिहल के पिछले पाँच वर्षों के सभी विकास कार्यों का ऑडिट कराए और प्रधान की संपत्ति की आयकर एवं विजिलेंस विभाग से जांच कराई जाए, ताकि सच्चाई सामने आ सके। ग्रामीणों का कहना है कि इस बार चुनाव से पहले सरकार को ऐसे प्रधानों को दोबारा टिकट नहीं देना चाहिए जिन पर भ्रष्टाचार या फर्जी विकास कार्यों के आरोप लगे हैं। जनता चाहती है कि पारदर्शिता के साथ ईमानदार प्रतिनिधि चुने जाएँ जो गांव के वास्तविक विकास के लिए काम करें।

धीरेंद्र शास्त्री की सनातन एकता यात्रा पर बरेली के धर्मगुरु ने कर दी बड़ी मांग

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। धर्मगुरु पंडित सुशील पाठक ने बागेश्वर धाम के धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की सनातन एकता यात्रा पर बरेली के धर्म एकता पदयात्रा का किया है। कि यह उस व्यक्ति का विषय सनातन आस्था रखता है। पाठक ने कहा कि आचार्य धीरेंद्र शास्त्री सनातन एकता के लिए जो यात्रा निकाल रहे हैं, वह न केवल एक धार्मिक अभियान है बल्कि देश में सांस्कृतिक जागरण का प्रतीक भी है। पंडित सुशील पाठक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आग्रह किया है कि वह धीरेंद्र शास्त्री के विचारों को संसद के माध्यम से पूरे देश तक पहुंचाएं। इस सनातन एकता यात्रा को राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बनाया जाए, ताकि हर भारतीय को अपनी संस्कृति और परंपरा पर गर्व महसूस हो। यात्रा का विरोध करने वालों को बताया सनातन विरोधी सुशील पाठक ने विरोध करने वालों पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि धीरेंद्र शास्त्री किसी जाति, संप्रदाय या वर्ग की बात नहीं कर रहे हैं। वह तो सनातन धर्म को मानने वाले सभी लोगों को एक सूत्र

में जोड़ने की बात कर रहे हैं। ऐसे में जो लोग इस यात्रा का विरोध कर रहे हैं, वह न केवल सनातन विरोधी हैं बल्कि समाज में फूट डालने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म का अर्थ ही है समभाव, एकता और सहिष्णुता। यही संदेश धीरेंद्र शास्त्री देशभर में लेकर चल रहे हैं।

मतदेय स्थलों की संशोधित आलेख्य सूची जारी, 16 नवम्बर तक दे सकेंगे आपत्ति और सुझाव – मुख्य निर्वाचन अधिकारी के निर्देश पर जालौन जिले में हुआ मतदेय स्थलों का सम्भाजन

क्यूँ न लिखूँ सच/राजेंद्र विश्वकर्मा / मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश के निर्देशानुसार जनपद जालौन में मतदेय स्थलों का भौतिक संभाजन कार्य पूर्ण कर लिया गया है। संभाजन के उपरांत ऐसे मतदान स्थलों, जहां अधिक मतदाता पाये गये का भवन जर्जर है, दूरी से अधिक है या जहां 300 हैं, उन स्थलों के की प्रक्रिया पूरी की गई 45-जालौन (अ0जा0) निर्वाचन क्षेत्र में शामिल 220-कालपी एवं 221-विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों स्थलों का सम्भाजन एवं



1200 से हैं, मतदेय स्थल 2 किलोमीटर से कम मतदाता पुनर्समायोजन है। इसके तहत स ं स दी य 219-माधौगढ़, उरई (अ0जा0) के मतदेय

समायोजन कर आलेख्य सूची दिनांक 10 नवम्बर 2025 को प्रकाशित कर दी गई है। यह सूची तहसील माधौगढ़, जालौन, कोच, कालपी, उरई तथा जिला निर्वाचन कार्यालय में निरीक्षण हेतु नि:शुल्क उपलब्ध है। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने बताया कि किसी भी मतदाता या मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल के प्रतिनिधि को यदि प्रकाशित सूची में अंकित प्रविष्टि या किसी मतदेय स्थल के संबंध में कोई आपत्ति, शिकायत या सुझाव हो, तो वे अपनी आपत्ति/शिकायत/ सुझाव लिखित रूप से 16 नवम्बर 2025 तक कार्यालय समय में संबंधित उपजिलाधिकारी, तहसीलदार अथवा जिला निर्वाचन कार्यालय, उरई में प्रस्तुत कर सकते हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि निर्वाचन कार्यों में पारदर्शिता एवं सुगमता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह प्रक्रिया पूरी की जा रही है ताकि मतदाताओं को मतदान के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो और सभी मतदेय स्थल निर्वाचन मानकों के अनुरूप हों।

मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना के तहत शिवपुरी जिले के बुजुर्गों को मिलेगा मां कामख्या और द्वारिका-सोमनाथ तीर्थ यात्रा का अवसर

क्यूँ न लिखूँ सच/ शिवपुरी, ब्यूरो। मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश शासन शिवपुरी जिले के पात्र बुजुर्ग नागरिकों के लिए दो विशेष तीर्थ यात्राओं का आयोजन करने जा रही है। पहली विशेष रेलगाड़ी 26 नवम्बर 2025 को मां कामख्या तीर्थ के लिए रवाना होगी, जिसमें जिले के 279 बुजुर्ग तीर्थयात्री शामिल होंगे। वहीं दूसरी विशेष रेलगाड़ी 4 जनवरी 2026 को द्वारिका-सोमनाथ तीर्थ के लिए जाएगी, जिसमें 179 बुजुर्गों को यात्रा का अवसर मिलेगा। मां कामख्या यात्रा के लिए इच्छुक बुजुर्ग 19 नवम्बर 2025 तक तथा द्वारिका-सोमनाथ यात्रा के लिए 28 दिसम्बर 2025 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी ने जिले के सभी तहसीलदारों, जनपद पंचायतों, नगरपालिकाओं एवं नगर परिषदों को निर्देश दिए हैं कि इच्छुक एवं पात्र आवेदकों के आवेदन नियत तिथि तक प्राप्त कर उनकी पूर्ति उपरांत कार्यालय में जमा कर प्राप्ति अभिस्वीकृति प्रदान करें। योजना के तहत आवेदक का मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना आवश्यक है, साथ ही उसकी आयु 60 वर्ष या उससे अधिक (महिलाओं के लिए 58 वर्ष) होनी चाहिए तथा वह आयकर दाता नहीं होना चाहिए। आवेदक शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ हो और किसी संक्रामक रोग से पीड़ित न हो। आवेदन पत्र हिन्दी भाषा में निर्धारित प्रपत्र पर दो प्रतियों में भरा जाए, जिसमें पासपोर्ट साइज फोटो चस्पा करना आवश्यक है। पहचान हेतु राशनकार्ड, मतदाता पहचान पत्र, आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस या विद्युत देयक की प्रतिलिपि संलग्न करना अनिवार्य रहेगा। चयन उपलब्ध कोटे के अनुसार किया जाएगा तथा चयनित यात्री के न जाने की स्थिति में प्रतीक्षा सूची में शामिल व्यक्ति को अवसर दिया जाएगा। योजना संबंधी विस्तृत जानकारी एवं आवेदन प्रपत्र www.govtpressmp.nic.in से डाउनलोड किए जा सकते हैं। मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना – बुजुर्गों के लिए श्रद्धा, सेवा और सौभाग्य का अद्भुत संगम

नगर में विमल क्लीनिक का भव्य शुभारंभ हुआ

क्यूँ न लिखूँ सच/ पवन कुमार/ विधायक मूलचंद्र निरंजन और पालिकाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता ने फीता काटकर शुभारंभ किया क्लीनिक की तरफ से निशुल्क डेढ़ सैकड़। कम्बल वितरित किये गये कोंच(जालौन) नगर के नया पटेल नगर में स्थित विमल क्लीनिक का आज नवीन प्रतिष्ठान का क्षेत्र के भाजपा विधायक मूलचंद निरंजन ओर नगर पालिका परिषद कोंच के अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता ने विधिवत फीता काटकर शुभारंभ किया इस अवसर पर क्लीनिक के संचालक डा कुलदीप सिंह ने आए हुए अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया और उन्हें अंगवस्त्र उड़ाकर और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया इस अवसर पर आज स्वास्थ्य शिविर का आयोजन हुआ जिसमें तमाम मरीजों की जांचे निशुल्क की गई साथ ही शिविर में दवा भी नि:शुल्क दी गई इस अवसर पर लखनऊ से आये डा अमन आनंद और ग्वालियर से आये नेत्र चिकित्सक डा भारत ने मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया इसके साथ ही शिविर में डेढ़ सैकड़ मरीजों को निशुल्क कम्बल वितरित किए गये इस कार्यक्रम में डा कुलदीप सिंह ने आभार जताया



मिशन शक्ति 5 अभियान : महिलाओं और बालिकाओं को हेल्पलाइन नंबर के बारे में जागरूक किया

क्यूँ न लिखूँ सच/ डिलारी = थाना डिलारी क्षेत्र में निर्देशन में थाना डिलारी पुलिस द्वारा मिशन शक्ति भ्रमणशील रहकर महिलाओं/बालिकाओं को व UPCOP ऐप से प्राप्त होने वाली सुविधाओं का उद्देश्य महिलाओं और बच्चों को उनके ताकि कोई भी महिला या बच्चा संकट के समय थाना क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में घर-घर जाकर हेल्पलाइन) और 112 (सुरक्षा इमरजेंसी महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों के बारे में सुनिश्चित किया कि महिलाएं और बच्चे किसी तत्काल सहायता प्राप्त कर सकें। इस अभियान नंबरों की जानकारी दी, बल्कि स्थानीय बाजारों, पुलिस ने महिलाओ और बालिकाओ को जागरूक



भूतपूर्व सैनिकों की शिकायतों की सुनवाई कर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश- जिलाधिकारी ने दी सख्त चेतावनी, कहा- सम्मान और संवेदनशीलता से करें समाधान

क्यूँ न लिखूँ सच/पवन कुमार/ जिला सैनिक बन्धु बैठक में प्राप्त शिकायतों की हुई सुनवाई, भूमि विवाद, पेंशन, शस्त्र और अन्य मामलों पर तय की गई स्पष्ट जिलाधिकारी राजेश विकास भवन स्थित सभागार में जिला बैठक कर भूतपूर्व परिजनों एवं आश्रितों पर विस्तारपूर्वक सुना अधिकारियों को निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने भूमि विवाद, पेंशन संबंधी दिक्कतें, विभागीय पत्राचार में देरी और प्रशासनिक स्तर पर लंबित मामलों सहित कुल 16 शिकायतों को गंभीरता से सुना। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि भूतपूर्व सैनिकों की समस्याओं का तत्काल, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण समाधान किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि देश की रक्षा में अपना सर्वस्व समर्पित करने वाले सैनिकों और उनके परिवारों का सम्मान करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि किसी भी शिकायत के निस्तारण में लापरवाही या टालमटोल की प्रवृत्ति बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी सम्बंधित अधिकारियों से कहा कि प्रत्येक शिकायत की प्रगति रिपोर्ट नियमित रूप से समीक्षा बैठक में प्रस्तुत की जाए, ताकि आगामी बैठक तक सभी प्रकरणों का निस्तारण सुनिश्चित हो सके। जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि समस्याओं का समाधान केवल औपचारिकता न होकर संवेदनशीलता और तत्परता के साथ किया जाए। इस अवसर पर नगर मजिस्ट्रेट राजेश कुमार वर्मा, सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी विंग कमांडर सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।



दर्ज नवीनीकरण अधिकारियों को स म य सी मा कुमार पाण्डेय ने रानी लक्ष्मीबाई सैनिक बन्धु की सैनिकों, उनके से जुड़ी समस्याओं गया और सम्बंधित आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने भूमि विवाद, पेंशन संबंधी दिक्कतें, विभागीय पत्राचार में देरी और प्रशासनिक स्तर पर लंबित मामलों सहित कुल 16 शिकायतों को गंभीरता से सुना। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि भूतपूर्व सैनिकों की समस्याओं का तत्काल, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण समाधान किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि देश की रक्षा में अपना सर्वस्व समर्पित करने वाले सैनिकों और उनके परिवारों का सम्मान करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि किसी भी शिकायत के निस्तारण में लापरवाही या टालमटोल की प्रवृत्ति बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी सम्बंधित अधिकारियों से कहा कि प्रत्येक शिकायत की प्रगति रिपोर्ट नियमित रूप से समीक्षा बैठक में प्रस्तुत की जाए, ताकि आगामी बैठक तक सभी प्रकरणों का निस्तारण सुनिश्चित हो सके। जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि समस्याओं का समाधान केवल औपचारिकता न होकर संवेदनशीलता और तत्परता के साथ किया जाए। इस अवसर पर नगर मजिस्ट्रेट राजेश कुमार वर्मा, सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी विंग कमांडर सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

ग्राम क्योलारी में जन सत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी का कार्यक्रम हुआ

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजेंद्र विश्वकर्मा/ पार्टी के प्रदेश प्रधान महासचिव कु ब्रजेश सिंह राजावत मौजूद रहे पंचायत के चुनाव के लिये पार्टी कार्यकर्ता अभी से तैयारी करे डा ब्रजेश सिंह राजावत कोंच(जालौन) विधान सभा मधौगढ़ कोंच के ग्राम क्योलारी में जन सत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी की पदाधिकारियों द्वारा आयोजित गोष्ठी हुई जिसमें जन सत्ता दल लोकतांत्रिक के प्रदेश प्रधान महासचिव ब्रजेश सिंह राजावत ने अपने सभी साथियों के साथ उक्त कार्य क्रम में पहुंचकर कार्यकर्ताओं तथा सभी भाइयों से भेंट कर आगामी समय में होने वाले पंचायत चुनाव के लिए तैयारी पर चर्चा की इस अवसर पर पूर्व प्रधानाचार्य ब्रजबल्लभ सिंह सेंगर साहब जिला सरंक्षक जनसत्ता दल की अध्यक्षता में गोष्ठी हुई, जिसमें जिला अध्यक्ष सुनील सिंह उपाध्यक्ष रामकुमार सोनी समाज सेवी चंदेल साहब जिला पदाधिकारी,समर जीत सिंह वरिष्ठ नेता जनसत्ता संजय सिंह चितौरा जिला पदाधिकारी के साथ साथ कार्य क्रम आयोजक मोहित बीडीसी तथा ग्रामीण जनों के बीच सभी ने अपने अपने विचार और दल में जुड़ने का आवाहन किया कार्यक्रम में मुख्य रूप से बिजली मीटर को लेकर और किसानों को खाद की आपूर्ति पर चर्चा रही जिसके निदान के लिए कुं ब्रजेश सिंह जी ने लखनऊ बात करके समस्या का त्वरित हल करने की बात की बाद में सभी ने फर्जी मुकद्दमे कानून व्यवस्था तथा अन्य समस्याओं का भी जिकर किया जिस के निदान हेतु भी राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंवर रघुराज प्रताप सिंह से बात स्पीकर खोल कर की गई और उन्होंने कहा की जनसत्तादल सेवा नीति पर कार्य करती पार्टी है सारी समस्याएं दूर की जायेंगी



संक्षिप्त समाचार

जिलाधिकारी ने निर्माण कार्यों की प्रगति को लेकर की समीक्षा बैठक, निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

जिलाधिकारी श्री अनुज सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिले में निर्माणाधीन विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जिले में ऐसी परियोजनाएं जिनका निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है उन सभी कार्यों का अधिकारियों की टीम द्वारा भौतिक सत्यापन कराया



जाएगा ताकि निर्धारित कार्ययोजना के अनुरूप कार्यों की गुणवत्ता और मानकों की स्थिति का सत्यापन कराया जा सके। मुरादाबाद में स्काडा के अंतर्गत कराए जा रहे कार्यों में प्रगति न बढ़ने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई। विगत माह में आयोजित बैठक के बाद से अब तक कार्य में कोई प्रगति नहीं हुई जिस पर जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग के अधिकारियों से कारणों के बारे जानकारी ली। गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के विभिन्न भवनों के निर्माण की स्थिति की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने कार्यवाही संस्था को निर्देश दिए कि वे जनशक्ति में वृद्धि करें तथा नियमित तौर पर मॉनिटर करते हुए कार्य में तेजी लाएं। नलकूपों के निर्माण की स्थिति के बारे में समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि नलकूप निर्माण के साथ-साथ निर्धारित कार्य योजना के अनुसार पाइपलाइन बिछाने के दौरान भी गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए ताकि किसानों को सिंचाई के दौरान किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न न होने पाए। अटल आवासीय विद्यालय में छुटपुट कमियों को भी दुरुस्त करने के लिए जिलाधिकारी ने संबंधित कार्यदाई संस्था को निर्देशित किया साथ ही कहा कि सहायक श्रमायुक्त विद्यालय में बच्चों की सुविधा के दृष्टिगत नियमित रूप से मॉनिटरिंग करना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने राजकीय प्रक्षेत्र रौंडा, राजकीय प्रक्षेत्र पंडितपुर, राजकीय प्रक्षेत्र फुहतुल्लांगंज, राजकीय कॉलेज मुरादाबाद, कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय ठाकुरद्वारा, ग्रामीण स्टेडियम रतनपुर कलां, मुख्यमंत्री अभ्युदय कंपोजिट विद्यालय सहित विभिन्न कार्यों की प्रगति के बारे में जानकारी ली और जरूरी निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सुश्री मृणाली अविनाश जोशी सहित अन्य अधिकारी गण मौजूद रहे।

छात्रा के प्यार में बीवी से तलाक...मिलने को किया राजी; फिर सात साल पहले शुरू हुई प्रेम कहानी का खौफनाक अंत

झांसी में बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के गेट से करीब सौ मीटर दूर रविवार दोपहर करीब सवा दो बजे सनसनीखेज घटनाक्रम में एक युवक ने एमबीए की छात्रा को तमंचे से गोली मारने के बाद खुद को भी उड़ा लिया। गोली की आवाज से इलाके में सनसनी फैल गई। गंभीर स्थिति में दोनों को मेडिकल अस्पताल ले जाया गया। यहां डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया जबकि युवती की हालत नाजुक है। झांसी में कृतिका और मनीष को बेहद करीब से जानने वाले उनके दोस्तों से पुलिस ने पूछताछ की। दोस्तों को भी उनकी प्रेम कहानी के ऐसे खौफनाक अंत की उम्मीद नहीं थी। दोस्तों ने बताया ललितपुर में कृतिका और मनीष एक साथ पढ़ते थे। एक ही मोहल्ले का होने के नाते साथ में आना-जाना था।2018 से दोनों के बीच प्रेम संबंध बन गए। दोनों साथ में जीने मरने की कसमें खा बैठे। इस बीच पारिवारिक स्थिति की वजह से मनीष कामकाज में जुट गया जबकि कृतिका झांसी चली आई। यहां जीविकोपार्जन के लिए सरकारी विभाग में गाड़ी चलाता था। उसके दोस्तों का कहना है 2024 में मनीष ने परिवार के दबाव में शादी कर ली। उसकी शादी के बाद से कृतिका ने उससे दूरी बना ली। कृतिका से दूरी मनीष की बर्दाश्त नहीं हुई। परिवार से झगड़ा करके करीब तीन महीने पहले गांव में पंचायत बुलाकर उसने पत्नी को तलाक दे दिया। तलाक के एवज में ढाई लाख रुपये नकद एवं देहेज का सारा सामान भी लौटाया।

इसके बाद भी कृतिका उससे बात करने को राजी नहीं हुई। यह बात उसे परेशान करने लगी। फोन करने पर कृतिका ने उसका मोबाइल नंबर ब्लॉक भी कर दिया था। इससे मनीष परेशान रहने लगा। कृतिका से मिलने की कोशिश में वह उसके हॉस्टल के भी चक्कर काटता था। बड़ा भाई कर चुका सुसाइड, दुर्घटना में पिता गवां चुके हाथ मनीष के पिता बिहारी लाल ललितपुर में मसाले का छोटा कारोबार करते हैं। पुलिस को छानबीन में मालूम चला कि करीब छह साल पहले बड़े बेटे महेंद्र के साथ दुर्घटना में बिहारीलाल घायल हो गए थे। उनका एक हाथ खराब हो गया जबकि बड़े बेटे महेंद्र को अत्यधिक चोट आ गई। इससे वह ठीक नहीं हो पा रहा था। हताशा होकर महेंद्र ने फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया था। मनीष पर ही परिवार का पूरा दरोमदार था लेकिन परिवार को मंझधार में छोड़कर उसने भी मौत की राह चुन ली। उसकी मौत से परिवार में रोना पिटना मचा है। दोनों के ही परिजन देर शाम झांसी पहुंच गए। किसी से बात करने को राजी नहीं हुए। उन्होंने चुप्पी साध रखी है। उधर, मनीष के इस खौफनाक कदम से ललितपुर में उसके जानने वाले हैरान रह गए।

होटल कर्मचारियों ने श्रद्धालु का सिर फोड़ दिया। पीड़ित श्रद्धालु ने थाने पहुंचकर आरोपियों के विरुद्ध शिकायत की है। मामला रविवार का है। मुंबई सेंट्रल निवासी दीपक बाघेला अपने माता पिता और तीन भाई बहनों के साथ सुबह वृंदावन पहुंचे थे। उन्होंने सौ फुटा पुल के समीप एक होटल में दो कमरे बुक किए। दीपक बाघेला ने बताया कि उनका होटल संचालक से 7800 रुपये में दो कमरों का किराया तय हुआ था, लेकिन बाद में उसने किराया 9500 रुपये कर दिया। इसको लेकर उनकी कहासुनी हो गई। कुछ देर बाद होटल कर्मचारियों ने उनके साथ मारपीट कर दी। परिजन के साथ भी गाली गलौच की। होटल कर्मचारियों की मारपीट का शिकार हुए दीपक बाघेला के सिर में गंभीर चोट आई है। पीड़ित ने होटल संचालक और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। तहरीर मिलने पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

New Drugs for Obesity Are Not a 'Miracle Cure'; Lifestyle Changes Are Also Essential for Weight Loss

Obesity is a major challenge of the 21st century, affecting more than a billion people globally. Cases have doubled between 1990 and 2022. However, many people have come to consider obesity medication as a miracle what the experts say about this. 880 million adults and 160 balanced diet, lifestyle necessary. The global 2022. Obesity has emerged as It is a chronic disease that causes socially. According to the World prevalence of obesity doubled than a billion people worldwide, children. Recently developed analogs—have brought new cannot be controlled solely by overweight and obesity are accumulation in the body that (BMI) of over 25 is considered Until now, lifestyle psychological support, and measures in the treatment of in severe cases. These Obesity medications such as (Mediator) were withdrawn the heart and lungs. Now, GLP-1 analogs, which help control blood sugar by increasing insulin secretion, reducing appetite, and slowing gastric emptying. These include liraglutide (brand names Saxenda, Victoza), semaglutide (Wegovy, Ozempic), and tirzepatide (Mounjaro). These medications, given as weekly injections, are already used in the treatment of type 2 diabetes. Several large clinical trials have found that when these medications were used in conjunction with a controlled diet and physical activity, there was a significant reduction in weight. Improvements were also seen in cardiovascular and metabolic parameters. Many chemicals are considered obesogenic: Research clearly shows that obesity is not simply a result of an imbalance between calorie intake and expenditure. There are also genetic, hormonal, pharmacological, psychological, social, and environmental factors behind it. Many chemical substances present in the environment are considered 'obesogenic,' meaning they can disrupt hormonal balance, affect the gut microbiome, and cause changes at the gene level. Sometimes the results of these effects appear years later or in subsequent generations. These medications cannot completely 'cure' obesity - According to studies, GLP-1 analogs cannot 'cure' obesity; they only aid in weight loss. For example, in the STEP3 study, participants taking semaglutide lost an average of 15 percent of their weight over 68 weeks, compared to only five percent in the placebo group. While this improvement is significant, patients still remain in the obese category. Furthermore, the need for long-term treatment and potential side effects (such as muscle loss or weight regain) are concerns. Experts say that GLP-1 medications are only used after the disease has developed, meaning it is a therapeutic approach, not a preventative one.



cure. But experts say otherwise. Let's find out More than a billion people worldwide, including million children, are affected by obesity. A improvements, and physical activity are prevalence of obesity doubled between 1990 and one of the biggest challenges in the 21st century. many complications physically, mentally, and Health Organization (WHO), the global between 1990 and 2022 and now affects more including 880 million adults and 160 million new drugs—glucagon-like peptide-1 (GLP-1) hope for physicians, but experts say that obesity relying on these drugs. According to the WHO, defined as abnormal or excessive fat is detrimental to health. A body mass index overweight, and over 30 is considered obese. modifications, a balanced diet, physical activity, prevention of complications have been the main obesity. Bariatric surgery has also been an option Medications Are Effective Older obesity dexfenfluramine (Isomeride) and benfluorex from the market due to serious side effects on physicians have a new class of medications:

Is your relationship just a timepass for your partner? Identify a commitment-phobic partner with these 5 signs.

In today's world, forming relationships has become easy, but maintaining them and being honest in them is equally difficult. Sometimes we get so lost in a relationship that we fail to understand whether our partner truly sees a help of the 5 points given below. Often, a friends and family. You can identify this relationship you're in is one-sided? In today's form relationships simply to fill the emptiness also unknowingly in such a risk zone, where future plans – then be careful. People who you away from their 'world' - If your partner close friends and family, but those who are you on their social media and will never take family, they make some excuse and avoid it. characterized by both partners making future partner is commitment-phobic, they will become uncomfortable as soon as they hear the words "future planning." They either get angry or laugh and change the subject when words like "marriage," "children," or "living together" come up. For them, only 'today' matters. Suddenly disappearing – these partners have a habit of suddenly vanishing. Everything might be going well, and then suddenly they'll stop answering your calls or messages. This behavior is also called "ghosting" or "pulling away." When you complain, they can't give a valid reason. Whenever the relationship starts to deepen, they suddenly create distance so that you don't develop too many expectations from them. Doing everything 'on their own terms' – despite being in a relationship, this person prefers to be completely independent. They do everything, every meeting, and every decision according to their own convenience. They care little about your needs or feelings. They will ask to meet you late at night or unexpectedly, but when you want to meet them during their busy time, they will refuse. In other words, the relationship only runs on their terms. Not connecting emotionally – people who are just looking for a casual fling may be physically intimate, but they always remain emotionally distant. They avoid sharing their deep thoughts, fears, or dreams with you. They feel that doing so will make you more attached to them, which they don't want. When you share something deeply personal with them, instead of showing empathy, they take it lightly or make fun of it. Keep this in mind – if three or more of these signs are present in your relationship, it is a serious cause for concern. You need to understand that you are with someone who is afraid of commitment or perhaps doesn't see a future with you. Remember, you cannot force someone to love or commit to you. Protect your self-respect and consider getting out of a relationship where your feelings are not valued.



future with us or if it's just a timepass for them. Let's understand this with the partner isn't serious about you. Such a partner won't introduce you to their person through certain signs. Do you also lie awake at night wondering if the fast-paced life, finding true and strong relationships is difficult. Many people in their lives, and when it comes to deep commitment, they disappear. If you are your partner keeps you entangled only in the present instead of including you in are afraid of or run away from commitment exhibit certain behaviors. Keeps truly thinks about a future with you, they will definitely introduce you to their only looking for a timepass prefer to keep you a secret. They won't post about you to their family functions. Whenever you talk about meeting their friends or Gets nervous about discussions of the future - A serious relationship is plans - whether it's next year's vacation or the next five years of life, but if your

Try these healthy Indian snacks to curb junk food cravings; even kids will love them.

Junk food cravings have become increasingly common among both children and adults these days. Chips, burgers, and pizza may seem delicious, but they slowly harm our health. If you're looking to curb this craving and eat something options for you. We all know how harmful this junk recurring, unhealthy cravings that are difficult to don't have to compromise on your taste buds. We've delicious, spicy, and delicious, but also healthy. The they'll happily say goodbye to junk food. Roasted homes for centuries and are an excellent source of instead of chips. Why it's special: It's rich in fiber junk food cravings. You can make it even more Moong Dal Chilla - Moong Dal Chilla is a light, made from ground moong dal. Why it's special: It's stuffing it with paneer and finely chopped packed with iron and protein, which are essential - In the evening, we often crave something salty with rice is a great alternative to fried foods. Why it's by mixing puffed rice with onion, tomato, lemon calories and completely satisfies your taste buds. Karkand Chaat - Boiling or roasting sweet potatoes and making chaat from them is a great idea. It's a healthy alternative to potato chips or French fries. Why it's special: Sweet potatoes are high in vitamin A and fiber. They're naturally sweet, so there's no need to add extra sugar. A chaat made with lemon, rock salt, and cumin powder will be a hit with both children and adults. Fruit and Yogurt Raita - If you're craving something sweet, try mixing fruit and yogurt for a sweet snack instead of chocolate or biscuits. Why it's special: You can make a raita or smoothie by mixing yogurt with banana, strawberries, or any other fruit of your choice. Yogurt is a source of probiotics that promote gut health, while the fruit provides natural energy. It makes a great dessert for children.



nutritious, we have some excellent healthy Indian snack food addiction can be for our health. If you're troubled by control, this article is for you. The good news is that you compiled a list of 5 great Indian snacks that are not only best part is that your kids will love these desi snacks and Chana - Roasted chickpeas have been eaten in Indian protein. If you're craving something crunchy, opt for these and protein, which keeps you full for longer and satiates spicy by adding a little salt, pepper, and chaat masala. nutritious, and quick snack. It resembles a dosa, but it's like a complete meal. You can make it even healthier by vegetables (like carrots, onions, and bell peppers). It's for children's development. Bhelpuri or Puffed Rice Snack tea. In such a situation, Bhelpuri or simply spiced puffed special: It uses very little oil in its preparation. Make bhel juice, green chutney, and a little jaggery. It's very low in

Vijay Varma's condition worsened due to depression; Aamir Khan's daughter helped him

Actor Vijay Varma spoke about his long-standing emotional struggles, including a strained relationship with his father. He revealed that Aamir Khan's daughter, Ira Khan, helped him battle depression. Vijay Varma speaks helps the actor - felt lonely even after about a very personal chapter of his life: his conflict, and the long journey to recovery. Khan, helped him overcome it. Strained revealed that his emotional struggles began relationship with his father. Vijay recalled was quick-tempered and angry." He further from me that I didn't want - my career, my about me bothered him." As he grew older, called his emotional support, while the "My father wanted me to join the family couldn't. The more I resisted, the angrier career instead of family business - He further to FTIL, despite the opposition, Vijay left one-year course. He said some harsh things my bags and left. I didn't want any I did odd jobs. Nothing worked, and then life. But success didn't erase the scars of daughter helped - During the 2020 He said, "I was completely alone in my Mumbai apartment. I had a small terrace – that sky saved me." He further added, "This pause made me realize how lonely I had become while constantly chasing work." It was during this time that Aamir Khan's daughter, Ira Khan, noticed his deteriorating condition and encouraged him to join her Zoom workout sessions. Vijay Varma cried for hours - Vijay revealed, "I was diagnosed with severe depression and anxiety." He further added, "My therapist even advised me to take medication. I told her, 'Let me try to manage myself for now.' Through therapy and yoga, unresolved emotions from years ago resurfaced." He said, "I had never talked about so many things before. During Surya Namaskar (sun salutation), I would cry for hours for no reason. I still regret leaving home." "I left my family and struggled alone for a decade, but achieved nothing." Impact on love life - Vijay also spoke about how depression affects one's love life. He said, "It shows up in your love life. You keep repeating those patterns until you talk about them. When you see close relationships fail in childhood, love starts to feel like fear. So you push people away." Vijay Varma will next be seen in 'Gustakh Ishq'. It is scheduled to release on November 21, 2025.



openly about depression, Aamir Khan's daughter success. Actor Vijay Varma recently spoke openly battle with severe depression, years of family He also shared how Aamir Khan's daughter, Ira relationship with his father - In a podcast, Vijay in childhood, stemming from his strained how their relationship deteriorated. He said, "He added, "He loved me, but he wanted many things friends, even how I spent my time. Everything he became even closer to his mother, whom he tension at home continued to escalate. He said, business, but because of his angry nature, I he became." Vijay Varma (2) - Chose acting added, "I did theatre, and after getting admission home. I told them I got a scholarship and it's a and warned, 'Leave before I return.' So I packed trouble." The following years were full of struggle. suddenly, Gully Boy didn't magically change my loneliness. Vijay Varma (1) Aamir Khan's lockdown, loneliness amplified his inner turmoil.

Crime Thriller or a Treasure Trove of Bold Scenes, Watch These 6 Films Alone

Most people prefer watching crime genre films on OTT platforms. Many such films were released in the 2000s that had tremendous crime and suspense. However, along with a powerful story, these films were so full of bold member. These 6 films contain many bold You can only watch these films alone. also changed. Now, people can find all comedy, and action genres. Crime many such films were released that had couldn't help but praise them. However, numerous bold scenes. The films received families because of the extremely bold below: Jism John Abraham and Bipasha scenes. The story is about an alcoholic (Bipasha Basu) convinces Kabir (John Saxena. Many intimate scenes were Emraan Hashmi and Mallika Sherawat's film 'Murder' is still talked about today, and its songs are still quite popular. The movie's story revolves around Simran, who feels very lonely after her businessman husband becomes too busy, but one day she meets her old college boyfriend, Sunny. To overcome her loneliness, she gets into a relationship with him. Sunny then starts blackmailing Simran. Later, Sunny is murdered. This movie features many bold scenes. Hate Story - Several parts of Hate Story have been released, but none have matched the story of the 2012 film starring Paoli Dam and Gulshan Devaiah. The movie's story is about a girl who, to avenge her humiliation, makes not one or two, but several people victims of her glamorous looks. Aashiq Banaya Aapne - Aashiq Banaya Aapne starred Sonu Sood, Emraan Hashmi, and Tanushree Dutta in the lead roles. This crime thriller was a love triangle story in which Sonu Sood's character murders someone and frames Emraan Hashmi for the murder. The film's songs were hits, but the number of bold scenes in it will make you want to switch off your TV. One Night Stand - One Night Stand stars Sunny Leone and Tanuj Virwani in the lead roles and tells a story of deceit and blackmail. This film didn't do particularly well at the box office, but the actress delivered plenty of bold scenes. Sha - Directed by Amit Saxena, this movie starred Poonam Pandey and Shivam Patil. The film's story is about Sahil, a teenager who falls in love with his drama teacher, Anita. However, due to societal pressures, he faces many challenges in making his love story successful. This movie was filled with bold scenes, which also led to a lot of controversy.



scenes that you couldn't watch them in front of any family scenes - You'll forget the crime after seeing the bold scenes - With the changing times in cinema, people's taste in films has kinds of films on OTT platforms, including suspense, thriller, thrillers are a favorite genre for most viewers. In the 2000s, such strong crime and suspense that anyone who watched them to attract audiences to theaters, these films were filled with love from the audience, but they couldn't watch them with their scenes. Which are those films that are full of bold scenes? See Basu's film 'Jism' is the number one movie in terms of bold lawyer who falls in love with a businessman's wife. Sonia Abraham) to kill her husband. The film was directed by Amit filmed between John and Bipasha in the movie. Murder

Kirti Kulhari, Four More Shots Please! Fame Actress, Finds Love Again 4 Years After Divorce, Reportedly Dating This Co-Star

40-year-old actress Kirti Kulhari has reportedly found love again. Four years after separating from actor Sahil Sehgal in 2021, the actress is allegedly dating one of her co-stars. Several pictures of the two together are going them has confirmed the relationship. Emmy-nominated show 'Four More actress Kirti Kulhari and actor show came out in 2019 and since then seasons already available to watch on closeness grew - Meanwhile, there soon be bringing the fourth and final awaiting its fourth season, rumors of Siddharth dating have surfaced. a deep friendship while working quality time together ever since. Although Kirti and Rajeev have not their sweet pictures have gone viral dating rumors. However, this does not dating. Seen holding hands in a car - Rajeev for quite some time. She shared a picture in which both were seen holding hands inside a car. Along with the picture, she wrote, "Love, have a good time. Until we meet again." She also tagged Rajeev in the photo. Apart from this, she shared a Diwali photo in which she was seen resting her head on Rajeev's shoulder. Rajiv was also seen smiling for the camera, which was positioned close to him.



viral on social media. However, neither of If you've been watching Prime Video's Shots Please!', you'll definitely know Rajeev Siddharth. The first season of this it has been quite successful, with three the streaming platform. How their were reports that the main cast would season. While fans of the show are eagerly actress Kirti Kulhari and Rajeev According to reports, the two developed together on set and have been spending Pictures of them together going viral - yet officially confirmed their relationship, on social media. This has added fuel to the confirm whether the two are actually Kirti has been sharing pictures with